बागेश्वर धाम एवं मेहंदीपुर बालाजी के चरणों में समर्पित

दैनिक हिन्दी समाचार पत्र

संस्कार उजाला

सच का हुंकार

sanskarujala@gmail.com

संस्थापक स्व० सुखराम शर्मा एवम शिवकुमार शर्मा, श्री प्रकाशवीर

संस्कार उजाला

हिन्दी समाचार पत्र को आवश्यकता है विज्ञापन एंव खबर लाने वाले स्टाफ की। सम्पर्क करें

मो0-9456278011

गाजियाबाद से प्रकाशित, दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, हरियाणा, सहारनपुर, मेरठ, मुरादाबाद, बरेली, हापुड, बुलंदशहर, मथुरा आगरा, इटावा, कानपुर एंव लखनऊ से प्रसारित

वर्ष : 11 अंक : 81 | बृहस्पतिवार 13 जुलाई 2023 गाजियाबाद | RNI No-UPHIN / 2013 / 50466 | पेज: 8 मूल्य : 2 रुपया

भाजपा के प्लान से डरा विपक्षी महागठबंधन, अब छोटे दलों को भी भेजा बुलावा; 24 हुईं पार्टियां

कांग्रेस अध्यक्ष ने शीर्ष विपक्षी दल के नेताओं को संबोधित एक पत्र में उन्हें नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी बैठक में उनकी भागीदारी के बारे में याद दिलाया है।

नई दिल्ली। विपक्षी एकता की बैठक के बीच भारतीय जनता पार्टी भी अपना कुनबा बढ़ा रही है। इसके कारण से अब विपक्षी दलों को अपनी रणनीति बदलनी पड़ी है। कांग्रेस ने अब छोटे दलों को भी बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। 17-18 जुलाई को कांग्रेस शासित राज्य कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में होने वाली विपक्षी एकता बैठक दूसरी बैठक में अब कम से कम 24 राजनीतिक दलों के शीर्ष नेताओं के शामिल होने की संभावना है। सूत्रों के मुताबिक, आठ नई पार्टियों ने 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी के खिलाफ एकजुट मोर्चा पेश करने के विपक्षी दलों के प्रयासों को अपना समर्थन दिया है। न्यूज एजेंसी एएनआई ने यह जानकारी दी है। सूत्रों के मुताबिक, मरूमलारची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके), कोंगु देसा मक्कल काची (केडीएमके), विदुथलाई चिरुथिगल काची (वीसीके), रिवोल्यूशनरी सोशलिस्ट पार्टी (आरएसपी), ऑल इंडिया फॉरवर्ड ब्लॉक, इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल), केरल कांग्रेस (जोसेफ) और केरल कांग्रेस (मणि) उन नए राजनीतिक दलों में से हैं जो बैठक में शामिल होंगे। उन्होंने यह भी कहा है, कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी भी विपक्षी दलों की बैठक में शामिल होंगी। गौरतलब है कि केडीएमके और एमडीएमके पहले 2014 के लोकसभा चुनाव के दौरान बीजेपी के सहयोगी थे। इस बीच, कांग्रेस पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और राज्यसभा में विपक्ष के नेता मल्लिकार्जुन खड़गे ने शीर्ष विपक्षी नेताओं को अगली एकता बैठक में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। कांग्रेस अध्यक्ष ने शीर्ष विपक्षी दल के नेताओं को संबोधित एक पत्र में उन्हें बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा बुलाई गई 23 जून को पटना में आयोजित विपक्षी बैठक में उनकी भागीदारी के बारे में याद दिलाया है। खड़गे ने अपने निमंत्रण पत्र में कहा, बैठक एक बड़ी सफलता थी क्योंकि हम हमारी लोकतांत्रिक राजनीति को खतरे में डालने वाले विभिन्न

महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा करने में सक्षम थे। साथ ही अगला लोकसभा चुनाव एकजुट होकर लड़ने पर सर्वसम्मति से सहमत हुए। कांग्रेस अध्यक्ष ने नेताओं को आगे याद दिलाया कि हम जुलाई में फिर से मिलने पर सहमत हुए हैं। पत्र में आगे कहा गया है, मेरा मानना है कि इन चर्चाओं को जारी रखना और हमने जो गति बनाई है, उसे आगे बढ़ाना महत्वपूर्ण है। हमें उन चुनौतियों का समाधान खोजने के लिए मिलकर काम करने की जरूरत है, जिनका सामना हमारा देश कर रहा है। खड़गे ने आगे कहा है, इसके अलावा मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि 17 जुलाई को शाम 6.00 बजे बेंगलुरु में रात्रिभोज के बाद होने वाली बैठक में भाग लेने के लिए आप जरूर पधारें। बैठक 18 जुलाई 2023 को सुबह 11.00 बजे से फिर जारी रहेगी। बेंगलुरु में आपसे मिलने के लिए उत्सुक हूं। इससे पहले, राजद प्रमुख लालू प्रसाद ने भी गुरुवार को कहा था कि वह विपक्षी दलों की बैठक के लिए बेंगलुरु जाएंगे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार द्वारा विपक्षी एकता की पहली बैठक 23 जून को पटना में हुई थी, जिसमें 15 से अधिक दलों ने भाग लिया था। इस बैठक में शामिल होने वालों में एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, वरिष्ठ कांग्रेस नेता राहुल गांधी, राकांपा प्रमुख शरद पवार, पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन समेत कई नेता शामिल थे।

जनता द्वारा निर्मित भारत नेपाल संबंध सदैव अटूट रहेंगें-विमलेन्द्र निधि

उदयपुर। नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री विमलेन्द्र निधि ने कहा है कि भारत नेपाल संबध के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंध जनता द्वारा निर्मित है जो कभी भी टूट नहीं सकते है। श्री विमलेन्द्र निधि मंगलवार को उदयपुर में भूपाल नोबल्स विश्वविद्यालय के कुंभा सभागार में भारत नेपाल के सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों पर आयोजित संगोष्ठि को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि भारत और नेपाल अनेक दृष्टियों से समानताऐं रखता है भारत के विकास के साथ नेपाल का विकास भी जुडा हुआ है। भारत जहां लोकतंत्र में विश्वास रखता है, जहां प्रजातांत्रिक शासन व्यवस्था है नेपाल में भी राजनीतिक दृष्टि से वही व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में नेपाल के नेताओं और जनता का भी अमूल्य योगदान रहा है जिसको कभी भूलाया नहीं जा सकता वही भारत ने भी नेपाल के लोकतंत्र की मजबूती के लिए अपना पूरा योगदान किया है। व्यापक दृष्टि से देखें तो भारत एवं नेपाल का राजनीतिक दर्शन एक समान है। भारत की सांस्कृतिक, धार्मिक और सामाजिक मान्यताऐं समानता लिए हुए है। उन्होने अपने उद्बोधन में नेपाल और मेवाड़ के संबंधों को भी रेखांकित किया है इस संबंध में उन्होंनें थारू समुदाय का उल्लेख किया है, जो राजस्थान के थार से वंहा गए थे। उन्होंनें कहा कि किसी भी देश के समग्र विकास में वहां के विश्वविद्यालयों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। विश्वविद्यालय ऐसे ठोस उपकरण होते है जो क्रांति और विकास को नया आयाम प्रदान करते है। इससे पूर्व भूपाल नोबल्स संस्थान के कार्यवाहक अध्यक्ष प्रो. कर्नल शिवसिंह सारंगदेवोते ने भारत नेपाल संबंध पर अपने विचार रखते हुए कहा कि भारत नेपाल के सांस्कृतिक संबंध पौराणिक काल से रहे है तो हम कह सकते है कि धार्मिक एवं संस्कृतिक की दृष्टि से भारत और नेपाल का गहरा जुडाव है।

हमारी प्रार्थनाएं भगवान शिव ने सुनीं...

जम्मू से अमरनाथ मंदिर के लिए 7,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का 10वां जत्था रवाना

जम्मू। दक्षिण कश्मीर के हिमालयी क्षेत्र में स्थित अमरनाथ मंदिर के लिए 7,800 से अधिक तीर्थयात्रियों का 10वां जत्था बुधवार को यहां आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। रामबन में जम्मू-श्रीनगर राजमार्ग के एक हिस्से के बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो जाने के कारण जम्मू आधार शिविर से तीन दिन तक यात्रा निलंबित रहने के बाद मंगलवार दोपहर फिर शुरू हुई थी। अधिकारियों ने बताया कि एक जुलाई से अब तक कुल 1,37,353 तीर्थयात्री अमरनाथ मंदिर के दर्शन कर चुके हैं। हिमालयी क्षेत्र में स्थित 3,888 मीटर ऊंचे गुफा मंदिर की 62 दिवसीय वार्षिक तीर्थयात्रा एक जुलाई को शुरू हुई, जो 31 अगस्त तक चलेगी। उन्होंने बताया कि बुधवार तड़के सवा तीन बजे कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 339 वाहनों के काफिले में 7,805 तीर्थयात्री यहां भगवती नगर आधार शिविर से घाटी के लिए रवाना हुए। उन्होंने बताया कि 4,677 तीर्थयात्री 207 वाहनों से पहलगाम के लिए जबकि 3,128 तीर्थयात्रियों को लेकर 132 वाहनों का काफिला बालटाल आधार शिविर के लिए रवाना हुआ। उन्होंने बताया कि 30 जून से अब तक जम्मू आधार शिविर से 56,303 तीर्थयात्री घाटी के लिए रवाना हो चुके हैं। असम की सुनीता देवी ने कहा, '' हमें खुशी है कि हमारी प्रार्थनाएं भगवान शिव ने सुनीं, और अपने दर पर हमें बुलाया। सुनीता जम्मू में पिछले सात दिनों से फंसे 23 लोगों के एक समूह का हिस्सा थीं। शनिवार और रविवार को हुई लगातार बारिश से राजमार्ग को बेहद नुकसान पहुंचा था। खासकर रामबन जिले में पड़ने वाला हिस्सा बेहद बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया था।

सारे रिकॉर्ड तोड़ेगी यमुना ? 2013 में जलस्तर ने 207 मार्क को किया था पार; 45 नावें तैनात

नई दिल्ली। दिल्ली में यमुना नदी का उफान बढ़ता जा रहा है। नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बुधवार को यमुना का जलस्तर 207.18 मीटर पर पहुंच गया। 2013 के बाद पहली बार नदी के जलस्तर ने 207 के मार्क को पार किया है। तब जलस्तर 207.33 मीटर तक गया था। माना जा रहा है कि अभी जडलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी रह सकता है। वहीं डूब क्षेत्र में रहने वाले हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर अस्थायी शिविरों में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्हें भोजन और पानी उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं राहत एवं बचाव कार्य के लिए 45 नावों को तैनात किया गया है।

45 साल में चौथी बार 207 के पार

45 साल में चौथी बार यमुना के जलस्तर ने 207 मीटर के मार्क को पार किया

है। आखिरी बार 1978 में जलस्तर रिकॉर्ड 207.49 मीटर पर पहुंचा था। फिलहाल जलस्तर बढ़ने का सिलसिला जारी है। ऐसे में संभावना है कि पुराने सभी रिकॉर्ड टूट सकते हैं। नदी में 24 घंटे में एक मीटर से ज्यादा पानी चढ़ा है। उफान के कारण इंसान ही नहीं जानवर भी मुश्किल में आ गए हैं। पानी में डूब चुके यमुना खादर से निकलकर सैकड़ों परिवारों ने मयूर विहार में खुले आसमान के नीचे शरण ली।

मंगलवार सुबह 206.38 मीटर था जलस्तर

दिल्ली में नदी का पानी अनुमान से पहले सोमवार शाम को खतरे के निशान 205.33 मीटर को पार कर गया था। केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) के बाढ़-निगरानी मंच के अनुसार, हरियाणा द्वारा यमुनानगर में हथिनीकुंड बैराज से यमुना नदी में अधिक पानी छोड़े जाने के कारण सोमवार शाम पांच बजे ओल्ड रेलवे ब्रिज पर जलस्तर बढ़कर 205.4 मीटर हो गया था और मंगलवार सुबह छह बजे तक ओल्ड रेलवे ब्रिज पर जलस्तर बढ़कर 206.38 मीटर पर पहुंच गया। इसके मंगलवार शाम तक 206.75 मीटर तक बढ़ने की आशंका है।

नेपाल के प्रधानमंत्री प्रचंड की पत्नी का निधन

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल 'प्रचंड' की पत्नी श्रीमती सीता दहल का लंबी बीमारी के बाद बुधवार की सुबह हृदयाघात से निधन हो गया। वह 69 वर्ष की थीं। उनके परिवार में चार संतान हैं। उनका अंतिम संस्कार आज दोपहर किया जाएगा।

नेपाली प्रधानमंत्री के निजी चिकित्सक (फिजीशियन) प्रो. डॉ. युवराज शर्मा ने बताया कि पार्किन्सन, मधुमेह उच्च तनाव से पीड़ित श्रीमती दहल को आज सुबह करीब आठ बजे दिल का दौरा पड़ा। उन्हें तुरंत उपचार दिया

गया। लेकिन काफी कोशिश के बाद उन्हें बचाया नहीं जा सका। साढ़े आठ बजे उन्हें मृत घोषित कर दिया गया।

सचिवालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार देश में माओवादी आंदोलन की केंद्रीय सलाहकार रहीं श्रीमती दहल का पार्थिव शरीर अंतिम दर्शन के लिए नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी केंद्र) के मुख्यालय में 11 बजे से दोपहर एक बजे तक रखा जाएगा और दो बजे पशुपतिनाथ मंदिर परिसर में बागमती नदी के तट पर पशुपति आर्यघाट पर उनकी अंत्येष्टि की जाएगी।

बंगाल में चुनाव के बाद भी भीषण हिंसा जारी, तीन लोगों की मौत; IPS भी घायल

,कोलकाता। पश्चिम बंगाल में पंचायत चुनाव के ऐलान होते ही राजनीतिक हिंसा शुरू हो गई थी। यह दौर मतदान के दौरान भी जारी रहा और चुनाव परिणाम आने के बाद भी जारी है। बता दें कि अब भी मतगणना पूरी नहीं हो पाई है। बुधवार सुबह दक्षिण 24 परगना में हुई हिंसा में तीन लोगों की मौत हो गई और एक आईपीएस अधिकारी घायल हो गए। 8 जून के बाद से अब तक कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई है। चुनाव के दिन ही 18 लोग मारे गए थे। पंचायत चुनाव में टीएमसी ने क्लीन स्वीप कर दिया है। सत्ताधारी दल ने भाजपा का काफी पीछे छोड़ दिया। पिछले चुनाव में भाजपा ने जहां जीत दर्ज की थी इस बार टीएमसी ने वहां

भी परचम लहरा दिया। अब तक की जानकारी के मुताबिक टीएमसी 33 हजार से ज्यादा ग्राम पंचायत की सीटें जीत चुकी है। वहीं भाजपा के खाते में 9 हजार सीटें आई हैं। कांग्रेस को ढाई हजार सीटें मिली हैं। 2018 में टीएमसी ने 48636 में से 38188 सीटों पर जीत दर्ज की थी। वहीं पंचायत समिति की 9730 सीटों में सी टीएमसी को 2612 सीटें हासिल हो गई हैं और भाजपा को महज 275 पर जीत मिली है। जिला परिषद की सीटों में भी टीएमसी का ही बोलबाला है। चुनाव के दिन भी बड़े स्तर पर हिंसा और बूथ कैप्चरिंग हुई थी। इसके बाद 10 जुलाई को 697 बूथों पर दोबारा वोटिंग करानी पड़ी। दक्षिण 24 परगना के भांगोर में टीएमसी और आईएसएफ के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। इसके बाद क्रूड बम चले, गोलियां चलीं। पुलिस को भी रबर बुलेट से फायर करना पड़ा और आंसू गैस छोड़नी पड़ी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा, हिंसा में कम से कम तीन लोगों की मौत हो गई है। इसके अलावा एएसपी रैंक के पुलिस अधिकारी घायल हो गए हैं। उन्हें भी गोली लग गई थी। बता दें कि कलकत्ता हाई कोर्ट ने आदेश दिया है कि परिणाम के कम से कम 10 दिन बाद तक राज्य में केंद्रीय बलों की तैनाती रहे।

बृजभूषण के खिलाफ सबूत में तस्वीरें भी शामिल, कॉल डिटेल्स भी बढ़ा रहीं मुश्किलें; क्या बोली पुलिस

नई दिल्ली। पहलवानों से यौन उत्पीड़न मामले में दिल्ली के कोर्ट में दाखिल भाजपा सांसद और पूर्व डब्लूएफआई अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ आरोप पत्र में ऐसी तस्वीरें हैं जो कि शिकायतकर्ता के दावे की पुष्टि करती नजर आती हैं। आरोप पत्र में कई तस्वीरें भी पेश गई हैं जो साबित करती हैं कि बृजभूषण शरण सिंह उस कार्यक्रम में मौजूद थे जहां पर यौन उत्पीड़न का मामला हुआ था। हालांकि दिल्ली के अशोका रोड स्थित डब्लूएफआई के कार्यालय में ना तो विजिटर रजिस्टर था और ना ही सीसीटीवी।

शिकायत में उनके घर का भी जिक्र किया गया है। दिल्ली पुलिस की तरफ से दाखिल चार्जशीट में कहा गया है कि बृजभूषण शरण सिंह पर आईपीसी की धारा 506, 354 और 354ए के तहत यौन उत्पीड़न, छेड़छाड़ और पीछा करने का केस चलाया जा सकता है। इसके लिए पुलिस के पास पर्याप्त सबूत उपलब्ध हैं। बता दें कि राउज अवेन्यू कोर्ट में दिल्ली पुलिस ने चार्जशीट फाइल की है।

चार्जशीट के मुताबिक डब्लूएफआई अधिकारियों ने पुलिस जो जो चार फोटो उपलब्ध करवाए हैं उनके मुताबिक कजाकिस्तान में बृजभूषण शरण सिंह महिला पहलवान के साथ मौजूद थे। वहीं दो ऐसा भी

फोटो हैं जिनमें देखा जा सकता है कि बृजभूषण पहलवान के करीब थे। डब्लूएफआई से मिली तस्वीरों, काल डीटेल और गवाहों के रिकॉर्ड के आधार पर चार्जशीट में कहा गया है की 6 पीड़ितों मेंसे पांच ने उत्पीड़न की जिन जगहों का जिक्र किया है वहां बृजभूषण मौजूद थे।

पहली पहलवान ने जो आरोप लगाए हैं उसमें कहा गया है कि कोच उन्हें बृजभूषण से मिलाने के लिए ले गए। एक हाथ में झंडा था इसलिए मैंने उन्हें दूसरे हाथ से दूर हटाने की कोशिश की लेकिन वह नहीं हटे। एक बार रेस्लिंग लीग में जब मैं एक सेट में हारी तो मैं टीम बॉक्स की तरफ गई। वहां बृजभूषण आए और मुझे जबरन हग किया। वह 15 से 20 सेकंड तक पकड़े रहे। मैंने उन्हें पीछे धकेलने की कोशिश की लेकिन वह नहीं हटे।

दो तस्वीरों में पहलवानों के करीब दिखे बृजभूषण-दो फोटोग्राफ में देखा जा सकता है कि वह पहलवान के नजदीक खड़े हैं। वीडियो और फोटो इस बात के सबूत हैं कि उस जगह बृजभूषण मौजूद थे। दूसरी रेसलर ने आरोप लगा कि मुझे कोच के साथ डब्लूएफआई ऑफिस में बुलाया गया। भूषण ने मुझसे कुर्सी पर बैठने को कहा। मैंने बताया कि मुझे चोट लगी है।

संस्कार उजाला

प्रशासन की लापरवाही से आफत की बरसात

डॉ. अनिल कुमार निगम

वास्तविकता तो यह है कि जिस तरीके से भारत में भूजल का स्तर नीचे जा रहा है, बरसाती पानी का संचय करना बहुत आवश्यक है। ज्यादातर सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वर्ष जल संरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समुचित तरीके से काम नहीं करते हैं। यही कारण है कि राजधानी दिल्ली के द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांग थी। वर्षा जल संचयन प्रणाली को लेकर लापरवाही करने वालों पर पांच लाख रुपये तक जुमार्ना लग सकता है।

विगत कुछ दिनों से देश के विभिन्न हिस्सों में हो रही बारिश से हाहाकार मचा हुआ है। अब तक करीब सौ लोगों को मौत हो चुकी है। अनेक पुल पानी के बहाव में बह गए हैं। देश की राजधानी सहित अनेक स्मार्ट शहरों में जल का भारी जमाव हो रहा है। मानसून में बारिश होना पूरी तरह से स्वाभाविक प्रक्रिया है। शहरों और घरों में पानी का सैलाब जो उमड़ रहा है, वह प्राकृतिक आपदा कम बल्कि मानव निर्मित आपदा ज्यादा है। भूजल का संकट झेल रहे भारत में बारिश का पानी अभी भी नालों, नालियों और नदियों में बह रहा है। अधिसंख्य शहरों में ड्रेनेज सिस्टम पूरी तरह से पंगु है और वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम कागजों में चल रहा है। यही कारण है कि तेज बारिश के चलते अरबों रुपये का संपत्ति और लोगों की जान का नुकसान हो चुका है।

दिलचस्प बात यह है कि हर प्रदेश सरकार और स्थानीय नगर निकाय वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम और नालों के निर्माण और उनकी सफाई पर करोड़ों रुपये खर्च करते हैं,लेकिन यह काम धरातल पर कम और कागजों पर ज्यादा सरपट दौड़ लगाते हैं। इस समय बारिश का पानी संचय होने की जगह सीधे नालों और नदियों में जा रहा है। ऐसे में सवाल यह है कि राज्य सरकारें, स्थानीय निकाय और प्रशासन बरसात के पहले इसकी तैयारी क्यों नहीं करते? और अगर शहरों का प्रशासन इसमें हीलाहवाली करता है अथवा संबंधित लोग वाटर हार्वेटिंग सिस्टम को लगाने और उसे चालू रखने में लापरवाही बरतता है तो उनसे सख्ती से क्यों नहीं निपटता? क्या, शासन और प्रशासन ऐसे ही लापरवाही करता रहेगा और जनता समस्याओं से जूझती रहेगी?

देश की राजधानी दिल्ली में अत्यंत खराब स्थिति है। बरसाती नालों की सफाई न होना भी जलभराव का एक छोटा सा कारण है, लेकिन इसकी असली समस्या कुछ और है। दिल्ली में इस समस्या की मूल वजह ड्रेनेज की समुचित व्यवस्था न होना है। वास्तविकता तो यह है कि दिल्ली का 65 फीसदी हिस्सा अनियोजित तरीके से बसा है। इस क्षेत्र में सुनियोजित तरीके से ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया है। चौंकाने की बात यह है कि यहां पर 1700 अनियमित कॉलोनियां हैं, जहां ड्रेनेज सिस्टम ही नहीं है।

उत्तर प्रदेश में दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों की स्थिति कमोवेश एक जैसी है। प्रयागराज और वाराणसी का ड्रेनेज सिस्टम दुरुस्त करने के लिए करोड़ों रुपये बहाए गए, लेकिन व्यवस्था आज ठीक नहीं सकी। मेरठ शहर में भी जरा सा पानी बरसा और सड़कें लबालब। यही हाल अलीगढ़, बरेली, आगरा, मुरादाबाद व अन्य शहरों का है। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू की आबादी 16 लाख से अधिक है। बरसात का पानी नालों के जरिए तवी नदी में जाता है। आबादी बढ़ने के साथ पक्के मकान भी बढ़ते गए। चौदह बड़े नाले शहर के बीच आ गए। तब ये नाले 50 से 60 फीट चौड़े थे जो अतिक्रमण के कारण अब 10-20 फीट ही रह गए हैं। जम्मू पश्चिम में सीवरेज शुरू होने से शहर के करीब 20 प्रतिशत हिस्से में जल निकासी में थोड़ा सुधार हुआ, लेकिन निचले क्षेत्र आज भी तेज बारिश में जलभराव समस्या झेलते हैं। पांच हजार साल पहले बसे श्रीनगर की आबादी इस समय 14 लाख से ऊपर पहुंचने के बावजूद यहां 60 फीसद क्षेत्र में ड्रेनेज व्यवस्था ही नहीं है।

प्रदेश में दस लाख से अधिक आबादी वाले दो बड़े शहर गुरुग्राम और फरीदाबाद हैं। नई ड्रेनेज लाइन 1970 के दौरान नए सेक्टरों में तो डाली गई, मगर यह लाइन कहां से शुरू हुई और किस नदी-नाले में मिलेगी, इसका छोर या अंत किसी को नहीं पता। 2010 में पुराना फरीदाबाद में 30.64 करोड़ रुपये की लागत से जवाहर लाल नेहरू अर्बन रिन्यूवल मिशन के तहत ड्रेनेज लाइन डाली गई थी मगर यह लाइन भी बरसाती पानी की निकासी के लिए कभी कारगर साबित नहीं हुई। वहीं, पूरा गुरुग्राम निचले क्षेत्र में बसा है। शहर के अनुरूप ड्रेनेज सिस्टम विकसित नहीं किया गया।

मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में नवाब के समय स्विट्जरलैंड की तर्ज पर तालाबों को लिंक कर ड्रेनेज सिस्टम बनाया गया था। यह सिस्टम अब पूरी तरह खत्म हो गया है। नालों पर अतिक्रमण होते गए, पानी रुकने लगा। यही हाल इंदौर का भी है। यहां तीन हजार किलोमीटर लंबी सड़कें हैं, लेकिन 10 फीसद में भी बारिश के पानी की निकास की व्यवस्था नहीं है। देश के विभिन्न शहरों में भी बहुत अच्छी स्थिति नहीं है।

वास्तविकता तो यह है कि जिस तरीके से भारत में भूजल का स्तर नीचे जा रहा है, बरसाती पानी का संचय करना बहुत आवश्यक है। ज्यादातर सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वर्ष जल संरक्षित करने की व्यवस्था नहीं है। दिल्ली, नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद, गुरुग्राम और फरीदाबाद में सरकारी और गैर सरकारी भवनों में वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम समुचित तरीके से काम नहीं करते हैं। यही कारण है कि राजधानी दिल्ली के द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांग थी। वर्षा जल संचयन प्रणाली को लेकर लापरवाही करने वालों पर पांच लाख रुपये तक जुमार्ना लग सकता है। जुमार्ना से बचने के लिए आवासीय व व्यवसायिक परिसरों में वर्षा जल संचयन प्रणाली लगाने के बाद उसके रखरखाव पर ध्यान नहीं देते हैं।

इस संबंध में राष्ट्रीय हरित न्यायाधिकरण (एनजीटी) में दिल्ली सरकार द्वारा सौंपी गई रिपोर्ट में वर्षा चल संचयन के चालू स्थिति में नहीं होने पर पांच लाख रुपये तक पर्यावरण क्षतिपूर्ति शुल्क लगाने का प्रस्ताव रखा गया था। द्वारका की कई सोसाइटियों में वर्षा जल संचयन प्रणाली के बंद होने की शिकायत पर एनजीटी ने दिल्ली सरकार से इस संबंध में रिपोर्ट मांगी थी। कुछ दिनों पहले सरकार ने उसे रिपोर्ट दी है। उसने कहा है कि नियम का उल्लंघन करने वाले गैर आवासीय इकाइयों के लिए 50 प्रतिशत जुमार्ना बढ़ाया जा सकता है।

कहने का आशय है कि भारी बारिश के बाद देश के विभिन्न शहरों में जलभराव से पैदा स्थिति के लिए शासन और प्रशासन की योजना में चूक के साथ-साथ उसके क्रियान्वयन में भारी लापरवाही है। अगर समय रहते इस समस्या के समाधान पर ध्यान नहीं दिया गया तो भविष्य में समस्या और गहरा सकती है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

संपादकीय

नियुक्ति को नकारा

सुप्रीम कोर्ट की बेंच ने प्रवर्तन निदेशालय के निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार बढ़ाये जाने को अवैध बताते हुए सरकार से उन्हें 31 जुलाई तक हटाने को कहा है। हालांकि, तीसरी बार बढ़ाया गया उनका कार्यकाल अभी 18 नवंबर तक था। कोर्ट ने सरकार से इस पद पर बीस दिन में नयी नियुक्ति करने को कहा है। कोर्ट का मानना है कि मिश्रा का तीसरा कार्यकाल बढ़ाया जाना अवैध है। दरअसल, कोर्ट पहले भी सरकार को कह चुकी थी कि संजय मिश्रा का कार्यकाल तीसरी बार न बढ़ाया जाये। सरकार की दलील थी कि वे अभी मनी लॉन्ड्रिंग समेत कई महत्वपूर्ण मामलों की निगरानी कर रहे हैं। जिसकी वजह से नई नियुक्ति के लिये सरकार कुछ समय चाहती है। उल्लेखनीय है कि जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस संजय करोल की बेंच ने यह फैसला कॉमन कॉज नामक स्वयंसेवी संगठन की याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया। इससे पहले अदालत ने मामले की सुनवाई पूरी करते हुए गत आठ मई को अपना फैसला सुरक्षित कर लिया था। दरअसल, वर्ष 2021 में जब कोर्ट ने निदेशक संजय मिश्रा का कार्यकाल बढ़ाने से मना किया था तो इसके खिलाफ केंद्र सरकार 2021 में सेंट्रल विजिलेंस कमीशन एक्ट में बदलाव के लिये एक अध्यादेश लायी थी। इस संशोधन में प्रावधान रखा गया कि देश की महत्वपूर्ण जांच एजेंसियों के निदेशक को पांच साल तक सेवा विस्तार दिया जा सकता है। तदुपरांत केंद्र ने तीसरी बार संजय मिश्रा का कार्यकाल 18 नवंबर 2023 तक बढ़ा दिया। हालांकि, कोर्ट ने कार्यकाल बढ़ाने वाले कानून में बदलाव को वैध माना, लेकिन नियुक्ति को अवैध ठहराया। कोर्ट का मानना था कि किसी भी जांच एजेंसी के निदेशक का कार्यकाल बढ़ाया जाना तार्किक होना चाहिए। इस फैसले के खिलाफ कांग्रेस व तृणमूल कांग्रेस ने भी याचिका दायर की थी। उल्लेखनीय है कि लंबे समय से विपक्षी नेता आरोप लगाते रहे हैं कि केंद्र सरकार विपक्षी नेताओं को डराने-धमकाने और राजनीतिक लाभ के लिये ईडी और सीबीआई का दुरुपयोग करती रही है। पिछले कुछ वर्षों में जांच एजेंसियों में सबसे ज्यादा चर्चा प्रवर्तन निदेशालय की ही रही है। तमाम राजनीतिक दलों के नेताओं व कारोबारियों के लेनदेन में कथित अनियमितताओं की जांच ईडी कर कर रही थी। कई लोगों की गिरफ्तारियां भी हुईं। यही वजह है कि संजय मिश्रा के मामले में याचिका दायर करने वालों की दलील थी कि ईडी की भूमिका महत्वपूर्ण होती है और देश हित में उसे स्वतंत्र होना चाहिए। कोर्ट ने भी सवाल किया था कि क्या वजह है कि उसके आदेश के बावजूद मिश्रा का कार्यकाल लगातार बढ़ाया जा रहा है। वहीं सरकार की दलील थी कि मिश्रा कई संवेदनशील व महत्वपूर्ण मामलों की जांच कर रहे हैं, जिसे तार्किक परिणति तक पहुंचाया जाना बाकी है। केंद्र के पक्षकार का तर्क था ईडी डायरेक्टर संयुक्त राष्ट्र में भी देश का प्रतिनिधित्व करते हैं। वे मनी लॉन्ड्रिंग से जुड़ी कई अहम मामलों की जांच देख रहे हैं। वे फाइनेंशियल टास्क फोर्स यानी एफएटीएफ की समीक्षा में शामिल हैं जिसको लेकर अभी काफी काम किया जाना बाकी है। अत- उनका देश हित में पद पर बने रहना जरूरी है। साथ ही यह भी कि योग्य अफसर तलाशने में अभी वक्त लगेगा। उल्लेखनीय है कि इंडियन रेवेन्यू सर्विस में 1984 बैच के अधिकारी संजय मिश्रा 34 साल तक विभाग को सेवा दे चुके हैं। साथ ही विदेशों में धन छुपाने वाले भारतीयों के मामलों में निगरानी करने वाले केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड में सेवाएं दे चुके हैं। नेशनल हेराल्ड केस, यस बैंक, आईसीआईसीआई सीईओ चंदा कोचर प्रकरण की जांच की उन्होंने निगरानी की है। वहीं जानकारों का मानना है कि संजय मिश्रा का कार्यकाल बार-बार बढ़ाए जाने से क्षुब्ध विभाग के उन अधिकारियों ने भी उनके खिलाफ मोर्चाबंदी आरंभ कर दी जो देश की महत्वपूर्ण एजेंसी के निदेशक बनने के दावेदार थे। बहरहाल, इस मामले में केंद्र सरकार की किरकिरी तो हुई है जिसे विपक्ष बड़ा मुद्दा बनाने की कोशिश करेगा।

चिंतन-मनन

प्रकाशस्रोत परमात्मा

परमात्मा या भगवान ही सूर्य, चन्द्र तथा नक्षत्रों जैसी प्रकाशमान वस्तुओं के प्रकाशस्रोत हैं। वैदिक साहित्य बताता है कि वैकुंठ राज्य में सूर्य या चन्द्रमा की आवश्यकता नहीं पड़ती, क्योंकि वहां परमेश्वर का तेज विद्यमान है। भौतिक जगत में ब्रम्हज्योति या भगवान का आध्यात्मिक तेज भौतिक तत्वों से ढका रहता है। अत: हमें सूर्य, चन्द्र, बिजली आदि के प्रकाश की आवश्यकता पड़ती है। वैदिक साहित्य में स्पष्ट है कि भगवान आध्यात्मिक जगत (वैकुंठ लोक) में स्थित हैं। श्वेतातर उपनिषद में कहा गया है- आदित्यवर्ण तमस: परस्तात अर्थात वे सूर्य की भांति अत्यन्त तेजोमय हैं, लेकिन भौतिक जगत के अन्धकार से बहुत दूर हैं। उनका ज्ञान दिव्य है। वैदिक साहित्य पुष्टि करता है कि ब्रम्ह घनीभूत दिव्य ज्ञान है। जो वैकुंठ जाने का इच्छुक है, उसे परमेश्वर द्वारा ज्ञान प्रदान किया जाता है। एक वैदिक मंत्र है तं ह देवम आत्मबुद्धिप्रकाशं मुमुक्षुवै शरणामहं प्रपद्ये। अर्थात मुक्ति के इच्छुक मनुष्य को चाहिए कि वह भगवान की शरण में जाए। जहां तक चरम ज्ञान के लक्ष्य का सम्बन्ध है, वैदिक साहित्य से भी पुष्टि होती है-तमेव विदित्वाति मृत्युमेति यानी उन्हें जान लेने के बाद ही जन्म तथा मृत्यु की परिधि को लांघा जा सकता है। वे प्रत्येक हृदय में परम नियन्ता के रूप में स्थित हैं। परमेश्वर के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं लेकिन जीवात्मा के विषय में ऐसा नहीं कहा जा सकता। अत- मानना ही पड़ेगा कि कार्यक्षेत्र जानने वाले दो ज्ञाता हैं- एक जीवात्मा तथा दूसरा परमात्मा। पहले के हाथ-पैर किसी एक स्थान तक सीमित हैं जबकि कृष्ण के हाथ-पैर सर्वत्र फैले हैं। इसकी पुष्टि श्वेतातर उपनिषद में इस प्रकार हुई है। सर्वस्थ प्रभुमीशानं सर्वस्य शरणं बृहत यानी वह परमेश्वर या परमात्मा समस्त जीवों का स्वामी या प्रभु है। वह उन सबका चरम आश्रय है। अत: इस बात से मना नहीं किया जा सकता कि परमात्मा तथा जीवात्मा भिन्न हैं।

न्यायपालिका के आदेशों की अग्नि परीक्षा?

सनत जैन

सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में ईडी के निदेशक संजय कुमार मिश्रा का, तीसरी बार कार्यकाल बढ़ाने के केंद्र सरकार के फैसले को अवैध करार दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्णय दिया है, कि संजय मिश्रा 31 जुलाई तक ही पद पर बने रह सकते हैं। 15 दिन के अंदर सरकार ईडी के नए निदेशक के चयन की प्रक्रिया पूरी करे। सुप्रीम कोर्ट ने एक निर्णय इसके पहले भी दिया था। जो दिल्ली सरकार के अधिकारों से संबंधित था। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के पश्चात केंद्र सरकार द्वारा अध्यादेश लाकर,सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को अप्रभावी बनाते हुए, अध्यादेश के माध्यम से निर्वाचित मुख्यमंत्री को उनके ही अधीनस्थ अधिकारियों की कमेटी में शामिल कर,सामूहिक निर्णय की बाध्यता और अंतिम निर्णय एलजी को करने का अधिकार देकर,सुप्रीम कोर्ट के निर्णय को एक तरह से मानने से इनकार कर दिया। अब यह मामला भी सुप्रीम कोर्ट में गया हुआ है। जिस पर सुप्रीम कोर्ट को निर्णय करना है। ईडी निदेशक के तीसरे कार्यकाल को बढ़ाने पर जो आपत्ति याचिका दायर की गई थी। उसकी सुनवाई सुप्रीम कोर्ट के तीन सदस्यों की खंडपीठ ने की। जिसमें जस्टिस बीआर गवई, जस्टिस विक्रम नाथ,जस्टिस संजय करोल शामिल थे। तीन सदस्यों की खंडपीठ ने अपने निर्णय में कहा है, कि सरकार कानून बनाकर कार्यकाल मे विस्तार कर सकती है। अध्यादेश के माध्यम से जो कार्यकाल बढ़ाया गया है। उसे सुप्रीम कोर्ट ने वैध नहीं माना है। सुप्रीम कोर्ट की तीन सदस्यों की खंडपीठ ने, सीबीआई से जुड़े दिल्ली पुलिस इस्टैब्लिशमेंट एक्ट और ईडी से जुड़े सीवीसी एक्ट में बदलाव को सही ठहराया है। जो संशोधन सरकार द्वारा किए गए हैं, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने उसमें अपनी मुहर लगा दी है। जिसके कारण सरकार को असीमित शक्तियां एक बार फिर मिल गई है। सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय के बाद, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का जो बयान आया है। उसमें उन्होंने इस निर्णय को सरकार की जीत निरूपित किया है। कुल मिलाकर सुप्रीम कोर्ट में जो याचिका दायर की गई थी। उस पर सुप्रीम कोर्ट ने केवल संजय कुमार मिश्रा को तीसरी बार अध्यादेश के माध्यम से सेवा वृद्धि दी गई थी। उस को अवैध माना है। सरकार ने जो संशोधन किये थे, उस पर सुप्रीम कोर्ट ने अपनी मोहर लगा दी है। सुप्रीम कोर्ट ने सरकार को अपने निर्णय में अधिकार दिया है,कि वह कानून बनाकर सेवा वृद्धि करते, तो वह सही होता। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा रहा है। दिल्ली सरकार के, अधिकार के संबंध में जो फैसला सुप्रीम कोर्ट ने दिया था। अभी जो फैसला सेवा वृद्धि के मामले में दिया है। उसके अवलोकन से ऐसा लगता है, कि सुप्रीम कोर्ट का मानना है, कि सरकार कानून बनाकर जो भी काम करती है। वह सुप्रीम कोर्ट की नजर में पूर्णताः वैध हैं। संविधान के मौलिक अधिकारों और संविधान के अन्य प्रावधान पर सुप्रीम कोर्ट का मौन यह बता रहा है, कि सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के स्थान पर, सरकार द्वारा बनाए गए कानूनों को सुप्रीम कोर्ट द्वारा सही ठहराया जा रहा है। कानून के जानकारों का मानना है कि इससे न्यायपालिका की स्थिति दिनों दिन कमजोर होती चली जाएगी। सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न फैसलों से स्पष्ट है कि सरकार और सरकार के बनाए हुए कानून ही अब सुप्रीम होंगे। विधि विशेषज्ञों का मानना है, सुप्रीम कोर्ट को संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार केंद्रीय कानूनों का परीक्षण करते हुए निर्णय देने की अपेक्षा की जाती है। अब सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्णय में संविधान के प्रावधान को अहमियत देखने को नहीं मिल रही हैं। इस तरह के निर्णय से न्यायपालिका के अधिकार भी धीरे-धीरे सीमित होते जा रहे हैं। वही सुप्रीम कोर्ट के फैसले को भी अब सरकार के नजरिये के अनुसार अग्निपरीक्षा से गुजरना पड़ेगा। सरकार चाहेगी तो हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्णयों की पालना होगी। सरकार नहीं चाहेगी, तो अध्यादेश एवं कानून के माध्यम से सुप्रीम कोर्ट और हाईकोर्ट के निर्णय निष्प्रभावी बना दिए जाएंगे। ऐसी स्थिति में संविधान और संविधान में मिले मौलिक अधिकारों का कोई औचित्य नहीं रह जाएगा।

ना भुतो, ना भविष्यति, इस्सयोग आध्यात्मिक क्राँन्ति

विनोद तकियावाला

आदि काल से ही हमारे यहाँ गुरु शिष्य की परम्परा है। इसी श्रंखला मे अपने जीवन के कुछ स्वर्णीम पल मुझे अपने सद्गुरू देव - माँ के सात्धिय में बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है।यहाँ पर उल्लेख करना जरूरी है कि जब गुरु के रूप स्वयं सद्गुरु ही आप के समक्ष आपका हाथ थाम लेता है,तो बात ही कुछ अलग होती है। मै अपने को बड भागी मानता हुँ कि मुझे सद्गुरू के रूप में महात्मा सुशील कुमार व ममतामयी करूणा की जीती जागती मुर्ति माँ विजया जी मिली है।लेकिन श्रृष्टि के रचियता,पालन कर्त्ता के संदर्भ मे कुछ कहने या उनके संदर्भ मे कुछ लिपिबद्ध करना एक अति कठिन कार्य है,ठीक वैसे जैसे सम्पूर्ण विश्व को,अपने दिव्य प्रकाश से प्रकाशित करने वाले भुवन भास्कर को माचिस की एक छोटी सी प्रज्वलित तीली से प्रकाश दिखाने की तुच्छकोशिश है।आज मै अपने आप को असहाय पा रहा हुँ। धन्य वह धरा जहाँ पति पावनी गंगा सदियों से निरंतर र्निविघ्न बह रही है। इस पवित्र को अनेक संत महापुरुषों नें विभिन्न युग में स्वयं अवतरित हो कर जगत का कल्याण कराया है।इसी क्रम में आज आप के समक्ष ऐसे महा पुरुष की चर्चा करने जा रहा हूँ जिन्होंने संपूर्ण मानव जाति को कल्याण हेतू एक सहज सरल सुगम पथ ना केवल निमार्ण किया बन्कि सम्पूर्ण मानव जाति को त्रितापों से त्राण दिलाने हेतु, 'इस्सयोग' साधना पथ विना किसी भेद भाव आम आदमी सौगात स्वरूप उपलब्ध कराया है। एक दिव्य और चमत्कारिक शक्ति और औषधि देने वाले कोई साधारण संत नही बल्कि इस युग मे सद्गुरुदेव महात्मा सुशील कुमार जी के रूप अवतरित हुए।

जुलाई माह का आगमन हो गया है।यह माह हम इस्सयोगी भाई - बहन के लिए विशेष महत्व का मास है।यह परम चैत्यन का मास है।क्योकि 13 जुलाई का यानि आध्यात्मिक क्रान्ति के प्रेण्यता का महात्मा सुशील कुमार जी का अवतरण दिवस है !आप का जन्म बिहार प्रांत के भोजपुर ज़िला निवासी ब्रहमलीन महापुरुष श्री श्रीशचंद्र शास्त्री एवं कर्पूर कमला के एक मात्र पुत्र के रूप में 13जुलाई 1938 को हुआ था। इन्होंने 1961 में बी एस सी इंजीनियरिंग (सिविल) तथा 1971में 'बैचलर औफ लौ' की उपाधि प्राप्त की।आप बिहार सरकार के पथ निर्माण विभाग में विभागाध्यक्ष के पद से1998में सेवा निवृत हुए।सर्वोतकृष्ट कार्यों एवं उपलब्धियों के लिए, आपको 'इंदिरा गाँधी प्रिय दर्शिनी सम्मान 1997' से विभूषित भी किया गया था।महात्मा जी को अध्यात्म विरासत में मिला था। उनके पिता प्रातःस्मरणीय शास्त्री जी चारों वेदों के ज्ञाता और भाष्य-कार थे। वे कठोर कर्म-कांडी और सपत्नी पक्के आर्य समाजी थे।आर्य समाज के आचार्य के रूप में, उनकी समाज में बड़ी प्रतिष्ठा थी तथा वे भारत सरकार की ओर से विदेशों में (थाईलैंड, श्रीलंका आदि देशों में)संस्कृत एवं वेदों की शिक्षा देने हेतु सादर भेजे जाते थे।शास्त्री जी ने गभार्धान से लेकर महात्मा जी के आगे के सभी संस्कार वेदोक्त विधि से कराए थे।उनकी माता पूजनीयाँ कर्पूर कमला जी,सामाजिक सरोकारों से जुड़ीं विदुषी और तेजस्वीनी महिला थीं। अस्तु बाल्य काल से हीं,महात्मा जी में आध्यात्मिक संस्कार पड़ने लगे थे। शिशु पर वैदिक संस्कार पड़े, इस हेतु,पिताश्री किंचित लोभ देकर गायत्री मंत्र आदि रटाते थे। शास्त्री जी ने उन्हें कह रखा था कि,जब 'गायत्री-मंत्र' का पाठ किया जाता है, तो सभी इच्छित फल प्राप्त होते हैं। उन्हें किसी वस्तु की इच्छा होती थी तो उनसे यह कहा जाता था कि, 'आँखों को बंद कर 'गायत्री मंत्र' का जप करो, तुम्हें वह अवश्य प्राप्त होगा।' महात्मा जी तदनुसार करते थे, फिर उनके हाथों में वह वस्तु पड़ी मिलती। (इच्छित वस्तु पिताश्री तैयार रखा करते थे।)। वयस्क होने पर महात्मा जी में स्वतंत्र विचार आने लगे तथा उनका आध्यात्मिक- चिंतन बदलने और परिष्कृत होने लगा। वय और अनुभूतियों के बढ़ने के साथ-साथ ,'परम-तत्त्व' की खोज की अभिलाषा उत्कंठा बनती गयी और उन्होंने जीवन के कर्मों का निबटारा करते हुए 'सत्य की खोज' जारी रखी। जैसा कि पूर्व में निवेदन किया जा चुका है कि, महात्मा जी ने सिविल अभियंत्रण में स्नातक की उपाधि प्राप्त की थी, सो अपनी लौकिक वृति 1963 में बिहार सरकार के लोक निर्माण विभाग में अवर प्रमंडल पदाधिकारी के पद से प्रारम्भ की। 1963से 65तक वे बिहारशरीफ में रहे तथा1966 से69 तक राँची में।तब बिहार का विभाजन नही हुआ था।पटना-हाजीपुर को जोड़ने के लिए बनाए जा रहे गंगा सेतु (महात्मा गाँधी सेतु) के निर्माण में उन्होंने निमार्ता-कंपनी 'गैमन इंडिया' के साथ अपना विशेष योगदान 1970-71 में दिया था।वर्ष 1972 से 74तक बोकारो में एच एस सी एल में जोनल इंजीनियर के पद पर उन्होंने कार्य किया और इस काल का उल्लेखनीय पक्ष यह था कि आप हीं के नेतत्व में अत्यंत महत्वाकांक्षी 'कोल्ड रोलिंग मिल की कमीशनीग' संपन्न हुई थी। इसके बाद से,1979 तक आपने राजधानी (पटना)के विभिन्न कार्य-प्रक्षेत्रों में,अपना उल्लेखनीय योगदान दिया। इसके बाद आपको,आपके कुशल प्रशासनिक और प्रभावकारी व्यक्तित्व के महत्त्व को रेखांकित करते हुए आपको नक्सल प्रभावित उन क्षेत्रों में विशेष कार्यों के लिए भेजा गया,जहाँ से दूसरे अधिकारी और विशेषज्ञ परहेज रखना चाहते थे।लेकिन आप भला किससे भय रखते! आपने सुदूरवर्ती ग्रामीण क्षेत्रों में जाकर अपने कर्तव्य पूरे किए तथा इस दौरान अनेक स्थानों पर हरिजन-छात्रावास एवं शैक्षणिक संस्थानों के निर्माण सहित विभिन्न विकास कार्यों को पूरा किया। 1998 में अपने विभाग के अध्यक्ष पद से सेवा निवृत होने से पहले आपने पटना क्षेत्रीय प्राधिकार के ट्रिब्यूनल में अपनी सेवाएँ दी।यह प्रमाणित हो कि महात्मा जी, जो कहते थे, वह अपने जीवन में पालन भी करते थे। उन्होंने संसार को पूरा जिया, और वहीं पूरी तरह विरक्त भी रहे। आध्यात्मिक धारा में बहते हुए भी,संसार छोड़ने की बात कभी नहीं की।वे कहा करते थे कि, सत्य की खोज और तत्त्व-ज्ञान के लिए संसार को छोड़ना अनावश्यक है। सच्चा मार्ग और सच्चा गुरु पाकर गृहस्थ जीवन में हीं आध्यात्मिक उपलब्धियाँ पायी जा सकती है। गृहस्थ-आश्रम साधना का श्रेष्ठ आश्रम है। इसी तरह उन्होंने, समय आने पर विवाह भी किया। वर्ष 1963 के 18मई को जब आपका विवाह संपन्न हुआ,उस समय आपकी नव-परिणीता आदरणीया विजया जी (माँ विजया जी)अभी-अभी इंटर की परीक्षा दी थीं। भविष्य में दिव्य शक्तियों के स्वामी होने वाले सुंदर, सफल और योग्य पुरुष के लिए, निश्चय हीं, सुयोग्य कन्या होनी चाहिए। कहते हैं- जोड़ियाँ ऊपर बनायी जाती है। औरों के बारे में तो नहीं कह सकते, किंतु आपकी जोड़ी 'शिव-पार्वती' की जोड़ी सिद्ध हुई। माताजी बाल्य-काल से हीं आध्यात्मिक रुझान रखती थी।अस्तु दोनों के संगम की पृष्ठ-भूमि पहले से तैयार थी।सो नैसर्गिक रूप से दोनों ही अध्यात्म के पथ पर भी साथ-साथ बढ़े।ईश्वर के प्रति उनकी विपुल भक्ति ने निश्चय हीं प्रभु को अपनी ओर खींचा था। उन्हें बाल्य-काल से हीं अलौकिक अनुभूतियाँ होती थी।साधना के मार्ग में एक पथ-प्रदर्शक की आवश्यकता पड़ती है।एक महात्मा ने दोनों को दीक्षा भी दी तथा साधना का मार्ग बी बताया। किंतु कुछ हीं कालों में आपने यह अनुभव किया कि,यदा-कदा गुरु रूप में कोई ऐसा विलक्षण व्यक्तित्व आता है,और आप दोनों को अलौकिक स्थितियों में ले जाता है,जैसा कि,आपके लौकिक-गुरु नहीं कर सकते थे। बाद में आपने अनुभूत किया कि, लौकिक गुरु के रूप में स्वयं सदगरु भगवान शंकर आकर साधना का मार्ग

प्रशस्त करते चलते थे। कालांतर में,भगवान शिव स्वयं प्रकट होने लगे और आपने अध्यात्म की वह ऊँचाई पायी, जिसके लिए युगों-युगों तक,जनमों-जनम तक प्राणी भटकता फिरता है।महात्मा जी तथा माताजी ने केवल स्वयं हीं उस परम तत्त्व को नहीं प्राप्त किया,बल्कि उन्होंने जिज्ञासु पात्रों एवं जन-साधारण को भी प्रभु से सीधे जुड़ने का 'इस्सयोग' के रूप में एक महान और सरल मार्ग प्रशस्त किया। इस साधना-पद्धति का आश्रय लेकर सामान्य साधक भी,सहज में हीं वह सहजावस्था प्राप्त करने लगता है,जिसके लिए बड़े-बड़े संत अपना जीवन खपाते रहे हैं। आप नें 'इस्सयोग' को ' न भूतों न भविष्यतिः आध्यात्मिक क्रांति' इस्सयोग की एक मिनट की लयावस्था साधना 6 वर्षों के बाह्य पुजा पाठ के बराबर फत दायी होती है। आप ने घोषणा की इस्सयोग एक दिन दो तिहाई भु मण्डल पर छायेगा। इस्सयोग के समर्पित साधक साधिकायें हम घर घर पहुँचा चें कहा।इस्सयोग के संस्थापक व आध्यात्मिक कान्ति के जनक महात्मा सुशील कुमार कुमार जी के अवतरण महोत्सव भारत के विभिन्न राज्यों के अलावे विदेशों से बडी संख्या में श्रद्धालु जन अपनी श्रद्धा सुमन अर्पित करने के लिए नई दिल्ली के पर्यावरण काम्पलेक्स स्थित शक्ति पिण्ड माँ मनोकामना देवी मन्दिर के परिसर में आ रहे है। आज ही के दिन माँ मनोकामना देवी मंदिर की स्थाई स्थापना दिवस भी है। खबरी लाल भी अपने सद्गगुरुदेव -माँ जी के युगल श्री चरणो में अपनी श्रद्धा समर्पण की अश्रु पूर्ण श्रद्वाजंली अर्पित करते है।

-(आध्यात्मिक क्रान्ति इस्सयोग के प्रण्येता ब्रह्मलीन महात्मा सुशील कुमार जी 75वें अवतरण दिवस पर विशेष)- विनोद तकियावाला

सीएम ने सेफ सिटी परियोजना के कार्यों की समीक्षा की

■ दूसरे चरण में 57 जनपद मुख्यालयों की नगर पालिका परिषद, तीसरे चरण में 143 नगर पालिका परिषदों को सेफ सिटी परियोजना से जोड़ा जाए ■ सम्बन्धित विभाग जिम्मेदारियों को तय समय में पूरी करें, मुख्य सचिव द्वारा सेफ सिटी के कार्यों की प्रगति की पाक्षिक समीक्षा की जाए

संवाददाता

लखनऊ । उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने आज यहां अपने सरकारी आवास पर सेफ सिटी परियोजना के कार्यों की समीक्षा की। मुख्यमंत्री जी ने प्रदेश में क्रियान्वित सेफ सिटी परियोजना के विस्तार की कार्ययोजना का अवलोकन किया। उन्होंने नगर निगम मुख्यालय वाले सभी शहरों तथा जनपद गौतमबुद्धनगर मुख्यालय को सेफ सिटी के रूप में अपडेट करने के सम्बन्ध में निर्देश दिए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के मार्गदर्शन में राज्य सरकार प्रदेश के हर नागरिक की सुरक्षा और उनके विकास के लिए अनुकूल माहौल उपलब्ध कराने के लिए संकल्पित है। इस दिशा में विगत 06 वर्षों में किए गए प्रयासों के आशातीत परिणाम मिले हैं। आज प्रदेश में हर महिला, हर व्यापारी सुरक्षित है। लोगों में अपनी सुरक्षा के प्रति एक विश्वास है। यह विश्वास सतत बना रहे, इसके लिए हमें 24x7 अलर्ट मोड में रहना होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि महिला सुरक्षा, सम्मान व स्वावलम्बन सुनिश्चित करने के संकल्प की पूर्ति में ह्यसेफ सिटी परियोजनाह्न अत्यंत उपयोगी सिद्ध हो रही है। प्रदेश में इस परियोजना के माध्यम से लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट के अन्तर्गत मॉडर्न कण्ट्रोल रूम, पिंक पुलिस बूथ, आशा ज्योति केन्द्र, सी0सी0टी0वी0 कैमरे, महिला थानों में परामर्शदाताओं के लिए हेल्प डेस्क, बसों में पैनिक बटन व अन्य सुरक्षा उपायों को लागू करने में सहायता मिली है। अब हमें इसे और विस्तार देना होगा। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि अन्तर्विभागीय समन्वय और कन्वर्जेंस के माध्यम से वित्तीय प्रबन्धन करते हुए प्रथम चरण में सभी 17 नगर निगमों और गौतमबुद्धनगर को सेफ सिटी के रूप में विकसित किया जाए। दूसरे चरण में 57 जनपद मुख्यालयों की नगर पालिका परिषदों और फिर तीसरे चरण में 143 नगर पालिका परिषदों को सेफ सिटी परियोजना से जोड़ा जाए। ऐसे सभी नगरों के प्रवेश द्वार पर सेफ सिटी का बोर्ड लगा कर इसकी विशिष्ट ब्राण्डिंग भी की जाए। इस प्रकार, उत्तर प्रदेश सर्वाधिक सेफ सिटीज वाला देश पहला राज्य हो सकेगा। सेफ सिटी परियोजना अत्यन्त महत्वपूर्ण है। हमें आगामी 03 माह की अवधि में प्रथम चरण का कार्य पूरा करना होगा। सम्बन्धित विभाग को दी गई जिम्मेदारी तय समय-सीमा में पूरी की जाएं। मुख्य सचिव द्वारा सेफ सिटी के कार्यों की प्रगति की पाक्षिक समीक्षा की जाए। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्तमान में सेफ सिटी परियोजना महिलाओं की सुरक्षा पर केन्द्रित है। हमें इसे विस्तार देते हुए बुजुर्गों, बच्चों और दिव्यांगजन की सुरक्षा से भी जोड़ना चाहिए। सेफ सिटी के माध्यम से सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांगजन के लिए एक सुरक्षित, संरक्षित एवं सशक्त वातावरण बनाने की मुहिम को आवश्यक तेजी मिलेगी। स्मार्ट सिटी परियोजना के अन्तर्गत स्थापित इण्टीग्रेटेड ट्रैफिक मैनेजमेण्ट सिस्टम से शहरों की सुरक्षा व्यवस्था स्मार्ट हुई है। व्यापारियों का सहयोग लेकर शहर में अधिकाधिक स्थानों पर सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं। मुख्यमंत्री जी ने निर्देशित किया कि प्रदेश के सभी पुलिस थानों में सी0सी0टी0वी0 कैमरे लगाए जाएं। इसके सम्बन्ध में एक स्टैण्डर्ड ऑपरेटिंग प्रोसीजर तैयार करें। यह कार्य शीर्ष प्राथमिकता के साथ कराया जाए। थानों में जहां जनसुनवाई होती हो, वहां कैमरे जरूर लगें। सभी कैमरों की गुणवत्ता अच्छी होनी चाहिए। प्रत्येक माह में एक बार जनपद स्तर पर महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों व दिव्यांगजन के लिए विशेष कार्यक्रम आयोजित करें। उनकी समस्याएं सुनें, यथोचित समाधान करें। सफल महिलाओं, बच्चों, बुजुर्गों, दिव्यांगजन की पहचान कर उन्हें रोल मॉडल के रूप में प्रस्तुत करें। यह प्रयास अन्य लोगों के लिए प्रेरक होगा। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एन0सी0सी0/एन0एस0एस0 स्वयंसेविकाओं को सेफ सिटी स्वयंसेवी के रूप में दायित्व सौंपा जाना चाहिए। इन स्वयंसेविकाओं को निकटतम पिंक बूथ के सम्पर्क में रखा जाना चाहिए। विशेष परिस्थितियों में इन स्वयंसेविकाओं की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। दिव्यांगजन के लिए साइनेज आदि पर ब्रेल लिपि में सूचनाएं लिखी जानी चाहिए। मेट्रो रेल में दिव्यांगजन के लिए अनेक सुविधाजनक प्रबन्ध हैं। ऐसे ही प्रयास सभी सार्वजनिक स्थानों पर किए जाने चाहिए। विक्षिप्त व्यक्तियों अथवा भिक्षावृत्ति कर रहे लोगों के व्यवस्थित पुनर्वास के लिए समाज कल्याण विभाग और नगर विकास विभाग मिलकर कार्य करें। अनेक स्वयंसेवी संस्थाएं इस क्षेत्र में अच्छा कार्य कर रही हैं, उन्हें जोड़ें और उनका आवश्यक सहयोग करें। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि सेफ सिटी की परिकल्पना को साकार करने के लिए सार्वजनिक परिवहन वाले वाहन चालकों का सत्यापन आवश्यक है। ऐसे में, टैक्सी, ई-रिक्शा, ऑटो, टेम्पो आदि वाहन चालकों का विधिवत पुलिस वेरिफिकेशन किया जाए। नगर विकास विभाग और परिवहन विभाग मिलकर सभी नगरों में ई-रिक्शा के लिए रूट तय करें। यह सुनिश्चित करें कि तय सीमा से अधिक सवारी न बैठायी जाए। नगरों में निवासरत किरायेदारों के बारे में भी निकटतम थाने के पास पूरी जानकारी जरूर हो। सेफ सिटी पोर्टल का भी विकास करें। इससे ऐसे सभी विभागों को जोड़ा जाए, जिनके द्वारा महिला, बच्चों, बुजुर्गों और दिव्यांगजनों के हित में कल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। सड़क किनारे प्रचार-प्रसार के लिए लगे होर्डिंग स्टैण्ड/यूनिपोल आदि को ह्यस्मार्ट सिटीह्न की तर्ज पर व्यवस्थित किया जाए। एक प्रदेशव्यापी अभियान चलाकर सभी नगरों में डिस्प्ले बोर्ड लगाए जाएं। अवैध होर्डिंग स्टैण्ड कतई न हों, इन्हें तत्काल हटाया जाए। यह आधुनिक डिस्प्ले स्थानीय निकायों के लिए राजस्व संग्रह का साधन भी बनेंगे।

संक्षिप्त डायरी

मुख्यमंत्री ने प्रदेश में आकाशीय विद्युत, अतिवृष्टि तथा सर्पदंश से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया

संवाददाता

लखनऊ । मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने प्रदेश में आकाशीय विद्युत, अतिवृष्टि तथा सर्पदंश से हुई जनहानि पर गहरा शोक व्यक्त किया है। उन्होंने दिवंगत व्यक्तियों के परिजनों को अनुमन्य राहत राशि तत्काल वितरित किए जाने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री जी ने शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की। उन्हांने विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं में घायलों का समुचित उपचार कराने के निर्देश दिये हैं।राहत आयुक्त कार्यालय द्वारा उपलब्ध कराए गए विवरण के अनुसार प्रदेश में विगत 24 घण्टों में आकाशीय विद्युत से 01, अतिवृष्टि से 01 तथा सर्पदंश से 01 जनहानि हुई हैं। इनमें आकाशीय विद्युत से जनपद मैनपुरी में 01 जनहानि हुई है। अतिवृष्टि से जनपद गौतमबुद्धनगर में 01 तथा सर्पदंश से जनपद सीतापुर में 01 जनहानि हुई है। विगत 24 घण्टे में प्रदेश के कई जनपदों में सामान्य से अधिक वर्षा हुई है। इन जनपदों में मेरठ, एटा, मुजफ्फरनगर, सहारनपुर, बागपत, फिरोजाबाद, बिजनौर, बदायूं, औरैया, इटावा, रामपुर, बरेली, आगरा, बाराबंकी, मुरादाबाद, फरुर्खाबाद, कासगंज, लखनऊ, सम्भल, अलीगढ़ सम्मिलित हैं। प्रदेश में 01 जून, 2023 से वर्षा का औसत सामान्य के सापेक्ष 111 प्रतिशत है। प्रदेश के 16 जनपदों में बहुत अधिक वर्षा (60 प्रतिशत से अधिक), 16 जनपदों में अधिक वर्षा (20 से 59 प्रतिशत), 20 जनपदों में सामान्य वर्षा (19 से -19 प्रतिशत), 21 जनपदों में कम वर्षा (-20 से -59 प्रतिशत) तथा 02 जनपदों में अत्यधिक कम वर्षा (-60 से -99 प्रतिशत) हुई है। सिंचाई विभाग से प्राप्त सूचना के अनुसार गंगा नदी कचला ब्रिज (बदायूं) में तथा यमुना नदी मावी में खतरे के जलस्तर से ऊपर बह रही है। गढ़मुक्तेश्वर में गंगा नदी, मुरादाबाद में रामगंगा नदी तथा मावी नामक स्थल पर यमुना नदी में बढ़ने की प्रवृत्ति है। शारदा नदी लखीमपुर खीरी में खतरे के जलस्तर से .50 मीटर के अन्तर्गत बह रही है तथा इसमें बढ़ने की प्रवृत्ति है। प्रदेश के जनपद सहारनपुर तथा मुजफ्फरनगर को छोड़कर, कहीं भी अतिवृष्टि या जलभराव के कारण लोगों को बाढ़ शरणालय पर ले जाने की आवश्यकता नहीं पड़ी है। जनपद सहारनपुर के 25 गांव तथा नगर के 12 मोहल्ले बाढ़ से प्रभावित हैं। प्रभावित क्षेत्रों के 225 लोग 09 बाढ़ शरणालय में रह रहे हैं। जनपद मुजफ्फरनगर में बाढ़ से प्रभावित 02 गांवों के 200 लोग बाढ़ शरणालय में रह रहे हैं। सभी प्रभावितों के भोजन एवं रहने की उचित व्यवस्थाएं की गई हैं।

आगरा में किशोरी को ब्लैकमेल करने वाला गिरफ्तार: अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी, मांग रहा था रुपए

आगरा। पुलिस ने किशोरी के अश्लील फोटो बनाकर उसे ब्लैकमेल करने वाले युवक को अरेस्ट कर लिया है। युवक किशोरी से रुपए मांग रहा था। न देने पर सोशल मीडिया पर उसके फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा था। मामले में किशोरी की मां ने थाना लोहामंडी में शिकायत दर्ज कराई थी। महिला ने बताया कि वह अपनी बेटी के साथ किराये के मकान में रहती है। मकान के सामने आरोपी जीतू अपने परिवार के साथ करता था। पड़ोसी होने के कारण जीतू और उसके परिजनों से उनकी बातचीत होती रहती थी। इसका फायदा उठाते हुए उसने किशोरी के कुछ अश्लील फोटो खींच लिए। इसके बाद किशोरी से रुपए मांग रहा है। रुपए न देने पर फोटो वायरल करने की धमकी दे रहा है। जीतू की शिकायत उसके परिवार के लोगों से की गई तो वो भी उसका साथ देने लगे। किशोरी काफी टेंशन में हैं। कोई वह कोई आत्मघाती कदम न उठा ले। इस डर से मां ने पुलिस शिकायत कर दी। पीड़ित किशोरी मां का आरोप है कि जीतू ने उसकी बेटी पैसे लेने और ब्लैकमेल करने के लिए अकेले में बुलाया था। किशोरी फोटो वायरल होने के डर की वजह से रत्न मुनि गर्ल्स इण्टर कॉलेज के पास उसके पास पहुंची। जब किशोरी के पास पैसे नहीं निकले तो आरोपी ने चाकू दिखाकर उसके मारपीट कर दी। इसके बाद उसका मोबाइल गिरवी रखवाकर पैसे ले लिये। प्रभारी निरीक्षक राजेश सिंह ने बताया कि आरोपी जीतू पुत्र राममूल सिंह फिलहाल किराये के मकान में नौबस्ता थाना लोहामंडी में रहता है। चेकिंग के दौरान आज उसे मदिया कटरा चौराहे से गिरफ्तार कर लिया गया।

उत्तराखंड में रेड अलर्ट जारी, बारिश से 8 की मौत, उत्तराखंड के 8 जिलों में अलर्ट जारी

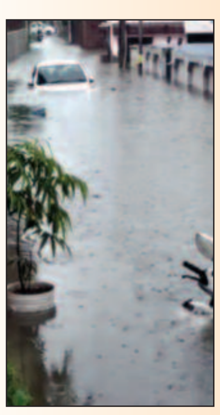

संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड में भारी बारिश के बीच लगातार भूस्खलन हो रहा है। कुमाऊं से लेकर गढ़वाल और पहाड़ से लेकर मैदान तक बारिश का दौर जारी है। कुमाऊं और गढ़वाल के सभी इलाकों में लगातार हो रही तेज बारिश आफत बनी हुई है। राजधानी देहरादून में लगातार 3 दिन से बारिश हो रही है। बारिश की वजह से देहरादून की सड़कों पर पानी भरा हुआ है, जिसके चलते लोगों को आने-जाने में परेशानी हो रही है,,, मौसम विभाग के अनुसार अभी अगले 5 दिन प्रदेश में बारिश का दौर जारी रहेगा। इसे देखते हुए कुमाऊं के सभी पहाड़ी जिलों में स्कूलों को बंद कर दिया गया है। प्रदेश में बारिश के दौरान 9 लोगों की मृत्यु हो गयी और अन्य 6 घायल हुए हैं।

प्रेमी ने शादी से किया इंकार...युवती ने थाने में खाया-जहर

उन्नाव । बिहार थाना क्षेत्र के गांव की रहने वाली युवती का उसी गांव के रहने वाले एक युवक से पिछले दस वर्षों से प्रेम प्रसंग चल रहा है। दोनों ने घर में बिना बताए पिछले साल कोर्ट मैरिज कर ली और उसके बाद से दोनों अलग-अलग रह रहे थे। वहीं अब युवक दूसरी जगह शादी करने लगा, जिस पर युवती ने इसकी शिकायत थाना पुलिस से की। लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। बीती देर शाम वह थाने पहुंची और उसने थाना परिसर के बाहर जहर खा लिया। जिसके बाद पुलिस ने उसे उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया। पीड़िता की तहरीर पर प्रेमी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है। भगवंत नगर चौकी के एक गांव में रहने वाली दलित परिवार की युवती का उसी गांव के रहने वाले लोध बिरादरी के युवक शिव शंकर से उसका प्रेम प्रसंग लंबे समय से चल रहा है। दोनों के बीच नजदीकियां बढ़ी तो 26 जुलाई 2022 को कोर्ट में जाकर कोर्ट मैरिज कर ली। कुछ दिन बाद शादी करने का वादा किया। लगभग एक साल बीतने के बाद युवक अपने वादे से मुकर गया और दूसरी जगह शादी की बात शुरू कर दी। इस बात की भनक युवती को लगी तो उसने इसकी सूचना थाना पुलिस को दी। थाने में कई बार पंचायत हुई, लेकिन कोई मामला हल नहीं हुआ। जिसके बाद उसे महिला थाने भेज दिया गया। पिता ने बताया कि उसे महिला थाने में तीन बार बुलाया गया, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। मंगलवार की देर शाम युवती फिर थाने पहुंची पुलिस से न्याय की गुहार लगाई। कुछ कार्रवाई नहीं होने पर थाना परिसर के बाहर युवती ने जहर खा लिया। जिससे उसकी हालत बिगड़ गई। आनन-फानन में बिहार थाना पुलिस ने उसे उपचार के लिए सुमेरपुर सीएचसी में भर्ती कराया। जहां डाक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया है। जहर निकलने की सूचना पर क्षेत्राधिकारी बीघापुर पंकज सिंह अस्पताल पहुंचे और उन्होंने मामले की जांच पड़ताल की। इसके साथ ही पीड़िता की तहरीर पर आरोपी प्रेमी के खिलाफ आईपीसी 376, एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच पड़ताल शुरू की है। घटना के बाद जिला अस्पताल पहुंचे युवती के पिता ने बताया कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग कब से चल रहा था, उन्हें इस बात की जानकारी नहीं हुई और कोर्ट मैरिज होने के बाद इसकी भनक लगी। जिसके बाद उन्होंने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई, तो पुलिस ने महिला थाने में मामला सुलझाने की बात कही। तीन बार बुलाया गया, लेकिन कोई भी सुनवाई नहीं की और थाने टकरा दिया। सीओ बीघापुर पंकज सिंह ने बताया कि उन्हें पुराने प्रकरण को लेकर कोई जानकारी नहीं है। पीड़िता की तहरीर पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है। मामले में आरोपी को हिरासत में ले लिया गया है। जांच पड़ताल कर आगे की आवश्यक विधिक कार्रवाई की जा रही है। उन्नाव में सोशल मीडिया पर युवती के द्वारा थाना परिसर के अंदर जहर खाने की सूचना मिलते ही पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया आनन-फानन अपर पुलिस अधीक्षक शशि शेखर सिंह ने पूरे मामले की जानकारी हासिल की प्रकाश में आया कि युवती ने प्रार्थना पत्र लिखवाने के बहाने थाना परिसर के बाहर जाकर जहरीला पदार्थ निगल लिया।

ज्योति मौर्य प्रकरण: होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे पर गिरी गाज, किया गया निलंबित

लखनऊ। देशभर में चर्चित हुए पीसीएस अधिकारी ज्योति मौर्य और होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे प्रकरण में प्रशासन ने कड़ी कार्रवाई करते हुए होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे को निलंबित कर दिया है। इस संबंध में डीजी होमगार्ड बीके मौर्या ने अपनी संस्तुतियों के साथ रिपोर्ट मंगलवार शाम को भेज दी थी। जांच रिपोर्ट में डीजी होमगार्ड ने कमांडेंट मनीष को निलंबित करने के साथ मुकदमा दर्ज कर विवेचना की सिफारिश की थी। जांच में सामने आया है कि मनीष दुबे ने अपने कृत्यों से विभाग की छवि भी धूमिल करने के साथ संपर्क में आईं महिलाओं का शोषण किया। वर्ष 2021 में मनीष ने लखनऊ की एक युवती से अलीगंज स्थित आर्य समाज मंदिर में शादी की थी। कुछ दिन बाद ही वह उसे 80 लाख रुपये दहेज में लाने के लिए प्रताड़ित करने लगा था। मनीष की पत्नी ने डीआईजी को दिए अपने बयान में इसकी पुष्टि की है। वहीं, अमरोहा में तैनाती के दौरान मनीष पर एक महिला होमगार्ड के यौन शोषण का आरोप है। डीआईजी के सामने महिला होमगार्ड ने इसकी पुष्टि करते हुए बयान दिया कि उसके विरोध पर मनीष ने उसे नौकरी से निकलवा दिया था। बाद में डीजी होमगार्ड से शिकायत पर वह बहाल हुई थी। इस प्रकरण की जांच कर रहे डीआईजी संतोष कुमार को ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्या ने कुछ कॉल रिकॉर्डिंग दी थी। इनमें से एक रिकॉर्डिंग में ज्योति और मनीष आपस में आलोक को रास्ते से हटाने, ठिकाने लगाने, कहानी खत्म करने... जैसे शब्द बोलते पाए गए हैं। जब मनीष से इस बारे में पूछताछ की गई तो उसने कहा कि वे आलोक से तलाक लेने की बात कह रहे थे। हालांकि डीआईजी ने इस बातचीत को बेहद गंभीर प्रकरण मानते हुए पुलिस से जांच कराने की संस्तुति की है। इसका मुकदमा दर्ज होने पर ज्योति और मनीष के मोबाइल फोन, सीडीआर इत्यादि की गहनता से पड़ताल की जाएगी। वहीं, जांच के दौरान पीसीएस ज्योति मौर्य ने खुद पेश होने के बजाय अपना बयान लिखकर भेजा था। उन्होंने अपने बयान में खुद को निर्दोष करार दिया है। उन्होंने लिखा कि उनका अपने पति से विवाद चल रहा है। मामला कोर्ट में है और वह अदालत के समक्ष अपनी बात रखेंगी। प्रयागराज के रहने वाले सफाईकर्मी पति आलोक मौर्य से रिश्तों में खटास के बाद पीसीएस अफसर ज्योति मौर्य चर्चा में बनी हैं। आलोक ने होमगार्ड मुख्यालय में शिकायत दर्ज कराई थी कि उनकी पत्नी ज्योति मौर्य का होमगार्ड कमांडेंट मनीष दुबे के साथ अफेयर है। पीसीएस ज्योति मौर्य के पति आलोक मौर्य प्रयागराज के निवासी हैं और पंचायतीराज विभाग में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी हैं। शादी के बाद ज्योति मौर्य का पीसीएस में चयन हुआ था।

माफिया और पलायन के लिए जाना जाता था मऊ और शामली, आज खुल रहा मेडिकल कॉलेज: मुख्यमंत्री

● नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग कराने वाला देश का पहला राज्य बना उत्तर प्रदेश ● मुख्यमंत्री ने जारी की नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग, क्यूसीआई ने किया है परीक्षण ● शामली और मऊ में मेडिकल कॉलेज स्थापना की राह साफ, एमओयू पर हुए हस्ताक्षर ● यूपी के मिशन निरामया: को नीति आयोग ने भी सराहा ● मिशन निरामया:- 08 और संस्थान बने मेंटॉर, मुख्यमंत्री ने दिए प्रमाण पत्र

संवाददाता

लखनऊ। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा क्षेत्र के लिए बुधवार के दिन ऐतिहासिक रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में एक ओर जहां शामली और मऊ जिले में पीपीपी मोड पर मेडिकल कॉलेज स्थापना के लिए अनुबंध हुए, वहीं मिशन निरामया: के अंतर्गत प्रदेश के सभी नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों की रेटिंग जारी की गई। यही नहीं, नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता सुधार के लिए अपनाई गई 'मेंटॉर-मेंटी' प्रक्रिया के तहत 08 नए संस्थानों को मेंटॉर का प्रमाण पत्र दिया गया। विशेष अवसर पर मुख्यमंत्री के उद्बोधन के प्रमुख अंश: 2017 से पहले प्रदेश में मात्र 12 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन 2017 के बाद आदरणीय प्रधानमंत्री जी की 'एक जिला-एक मेडिकल कॉलेज की परिकल्पना को साकार करते हुए आज उत्तर प्रदेश के सभी जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है। आज 45 जिलों में सरकारी मेडिकल कॉलेज संचालित हैं, जबकि 16 जिलों में निमार्णाधीन हैं। मऊ और शामली जैसे जिले, जो आज से 06 वर्ष पहले अन्य कारकों से जाने जाते थे, वहां आज मेडिकल कॉलेज स्थापित हो रहे है। मऊ माफिया के कारण भयभीत रहता था तो शामली में पलायन का दंश था। लेकिन आज इन दोनों ही जिलों में मेडिकल कॉलेज की स्थापना हो रही है। यह किसी सपने के साकार होने जैसा है। पिछली सरकारों ने पैरामेडिकल और नर्सिंग संस्थानों को उपेक्षित रखा था। स्टेट मेडिकल फैकल्टी खुद बीमार थी और गुणवत्तापरक शिक्षा पर कोई ध्यान नहीं था। ऐसे में 'मिशन निरामया:' की आवश्यकता थी, जिसे सरकार ने बढ़ाया। इसके तहत 12 अच्छे संस्थानों को मेंटॉर के रूप में चिन्हित किया गया। मेंटॉर-मेंटी की नीति के साथ आगे बढ़ी सुधार की प्रक्रिया का ही परिणाम है कि आज 08 और संस्थान मेंटॉर के रूप में अपग्रेड हो गए हैं। यह बदलती हुई व्यवस्था का प्रमाण है। शिक्षण संस्थानों में गुणवत्ता के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता। मेडिकल कॉलेज हो या हॉस्पिटल, नर्सिंग हो या पैरामेडिकल कॉलेज, अगर गुणवत्ता है, मानक पूरा है तो उसकी शासन की सभी पात्र योजनाओं का लाभ बिना विलंब मिलना चाहिए। और अगर वह मानक पूरा नहीं करता तो ऐसे संस्थानों को अपनी सूची से बाहर किया जाना चाहिए। क्वालिटी कंट्रोल ऑफ इंडिया द्वारा शुचिता और पारदर्शिता के साथ कि गई नर्सिंग और पैरामेडिकल संस्थानों की गुणवत्ता रैंकिंग अन्य संस्थानों को भी बेहतर करने के लिए प्रेरित करेगी। प्रदेश के 16 असेवित जनपदों में पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) आधार पर मेडिकल कालेज की स्थापना किए जाने का निर्णय लिया गया था। इस क्रम में महाराजगंज एवं संभल में निजी निवेश कताओं का चयन पूर्व में किया जा चुका है एवं दोनों स्थान पर मेडिकल कॉलेज का निर्माण प्रगति पर है। आज जनपद मऊ में राजीव सामाजिक शिक्षा सेवा संस्थान को तथा जनपद शामली में चिन्हित प्राईवेट पार्टनर-ज्ञान चेतना एजुकेशलन सोसाइटी एवं उत्तर प्रदेश शासन के बीच एग्रीमेण्ट हस्ताक्षरित हुआ है। प्रत्येक स्थान पर निजी निवेशकर्ता द्वारा लगभग ₹250 करोड़ रुपए के निवेश से एक निजी मेडिकल कॉलेज स्थापित किया जायेगा। दोनों सामाजिक संस्थानों को मेरी शुभकामनाएं। मिशन निरामया: के अन्तर्गत नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थाओं की गुणवत्ता सुधार हेतु अनेक कार्यक्रम संचालित किए जा रहे हैं। उक्त कार्यक्रम के अन्तर्गत एक प्रयास यह है कि प्रदेश में स्थापित समस्त नर्सिंग व पैरामेडिकल कालेज (सरकारी एवं निजी) का निरीक्षण क्वालिटी काउन्सिल आफ इण्डिया द्वारा कराया जाये और इसके आधार पर संस्थाओं को एक एक्रीडेशन रैंकिंग स्कोर प्रदान किया जाये। उक्त एक्रीडेशन रैंकिंग एक पुस्तिका के रूप में प्रकाशित की गयी है। उत्तर प्रदेश इस उपलब्धि को हासिल करने वाला पहला राज्य है। स्टेट मेडिकल फैकल्टी के कायाकल्प की आवश्यकता है। इस दिशा में अच्छे प्रयास भी हुए हैं। किसी भी फाइनेंसियल ट्राजैक्शन हेतु अब किसी भी निजी संस्था व राजकीय संस्था अथवा चिकित्सा व्यवसायी को स्टेट मेडिकल फैकल्टी का शुल्क जमा करने हेतु भौतिक रूप से आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी क्योंकि सभी ट्रांजैक्शन के लिए एक आनलाइन पेमेंट गेटवे की व्यवस्था की गयी है, जिसका आज शुभारम्भ किया गया है। यह हर्ष का विषय है। 'मिशन निरामया:' जैसे अभिनव प्रयास के लिए मुख्यमंत्री के विजन को प्रेरक बताते हुए क्यूसीआई के सेक्रेटरी जनरल आरपी सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश के इस प्रयास का अनुकरण करते हुए नीति आयोग ने इंडियन नर्सिंग कॉउंसिल को ऐसी ही व्यवस्था पूरे देश में लागू करने का परामर्श दिया है। इससे पहले, क्यूसीआई सेक्रेटरी जनरल ने रेटिंग तय करने के लिए अपनाई गई प्रक्रिया के बारे में मुख्यमंत्री को विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि 34 दिन के भीतर क्यूसीआई की टीम प्रदेश के हर संस्थान नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थान में गई, वहां तय मानकों पर शैक्षिक गुणवत्ता की परख की गई। शुचिता का ध्यान रखते हुए परीक्षकों ने बॉडी वार्न कैमरे लगाए हुए थे और पूरे परीक्षण प्रक्रिया की विधिवत रिकॉर्डिंग की जा रही थी। परीक्षण के बाद 267 संस्थानों ने अपनी अपील सबमिट की थी, सभी को उनके वीडियो दिखाकर उनकी आपत्तियों का समुचित समाधान किया गया। इसमें 64 ने अपनी समस्याएं भी रखीं और अंततः सभी की आपत्तियों/जिज्ञासा का समाधान करते हुए अन्तिम रूप से संस्थानों और पाठ्यक्रमों की रेटिंग तैयार की गई और आज एक भी संस्थान ऐसा नहीं जो अपनी रेटिंग से असंतुष्ट हो। उपमुख्यमंत्री और स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री ब्रजेश पाठक ने पैरामेडिकल व नर्सिंग संस्थानों की आवश्यकता पर जोर देते हुए हर मेडिकल कॉलेज के साथ नर्सिंग व पैरामेडिकल संस्थान स्थापना की नीति के लिए मुख्यमंत्री को धन्यवाद ज्ञापित किया और गुणवत्तापरक चिकित्सा शिक्षा के लिए हर जरुरी प्रयास करने के लिए मुख्यमंत्री को विश्वास दिलाया।

मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया में ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर में लगी आग

नई दिल्ली। पश्चिमी दिल्ली के मायापुरी इंडस्ट्रियल एरिया में बुधवार सुबह एक ऑटोमोबाइल सर्विस सेंटर में अचानक आग लग गई। आग पर काबू पाने के लिए मौके पर दमकल की 19 गाड़ियां

पहुंचीं, जो घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा सकीं। दमकल व पुलिस के मुताबिक मायापुरी फेस वन स्थित महिंद्रा ऑटोमोबाइल के शोरूम में यह आग लगी। यह बिल्डिंग चार मंजिला थी और इसमें गोदाम भी थे। प्लास्टिक का सामान रखे होने के कारण आग तेजी से फैली। इमारत में किसी के भी फंसे होने की सूचना नहीं है। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल पाया है लेकिन आशंका जताई जा रही है कि आग शॉर्ट सर्किट की वजह से लगी होगी।

इंडिया गेट पर सड़क धंसी, पुलिस ने की घेराबंदी

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के इंडिया गेट क्षेत्र में बारिश के कारण सड़क धंसने का एक मामला सामने आया है। लगातार बारिश के बीच दिल्ली में कई जगह सड़क धंसने की घटनाएं सामने आई है। लेकिन अब इंडिया गेट क्षेत्र में बारिश के कारण सड़क धंस गई।

गनीमत रही कि सड़क धंसने के दौरान वहां से कोई नहीं गुजर

रहा था। यह घटना दिल्ली के सी हेक्सागोन इंडिया गेट की है। जहां सड़क का कुछ हिस्सा जमीन में चला गया है। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात को लेकर सड़क धंसने से सी हेक्सागन इंडिया गेट पर यातायात प्रभावित होने को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। सलाह दी गई है कि वह इस रास्ते से जानें से बचें। मौके पर संबंधित विभाग के सभी अधिकारी पहुंच गए हैं और जिस जगह गड्ढा हुआ है उसको चारों तरफ से बैरिकेडिंग कर दिया गया है। मौके पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी और दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं।

दिल्ली के गीता कॉलोनी फ्लाईओवर के पास टुकड़ों में मिली महिला की लाश, बिखरे मिले अंग

नई दिल्ली। दिल्ली में श्रद्धा हत्याकांड जैसी एक और वारदात सामने आई है। दिल्ली के गीता कॉलोनी फ्लाईओवर इलाके के पास से एक महिला का शव मिला है। बताया जा रहा है कि शव कई टुकड़ों में काटा गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस जांच में जुटी है। फिलहाल महिला की पहचान नहीं हो पाई है। जानकारी के मुताबिक, दो अलग-अलग स्थानों पर शव के अवशेष मिले हैं। दिल्ली पुलिस ने शव के कई टुकड़े मिलने के बाद जांच शुरू कर दी है। मौके पर फोरेंसिक टीम पहुंची है। पूरे इलाके की घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू किया गया है। पुलिस को आज सुबह 9.15 बजे सूचना दी गई कि फ्लाइओवर के पास कुछ मानव अंग पड़े हैं। जिसके बाद पुलिस वहां पहुंची। अभी तक महिला की पहचान नहीं हो सकी है। महिला की उम्र 35 से 40 साल बताई जा रही है। सेंट्रल रेंज के ज्वाइंट सीपी परमादित्य ने बताया कि दो काले पॉलीथिन बैग मिले हैं। एक पॉलिथीन में कटा हुआ सिर रखा था और दूसरे में बॉडी के दूसरे हिस्से थे। लंबे बालों के आधार पर हम यह मान रहे हैं कि यह किसी महिला का शव है। अभी तक इसकी पहचान नहीं हो पाई है, जांच जारी है। श्रद्धा हत्याकांड ने पूरे देश को दहला दिया था।

अब हरियाणा में कुंडली तक बढ़ाया जा सकता है रिठाला नरेला मेट्रो कॉरिडोर

नई दिल्ली। दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (डीएमआरसी) के हरियाणा रूट के विस्तार का प्रस्ताव केंद्र और दिल्ली सरकार को सौंपा गया है। इसमें रिठाला-नरेला मेट्रो कॉरिडोर को संभवतः हरियाणा के कुंडली तक बढ़ाया जा सकता है। यदि डीएमआरसी के इस प्रस्ताव को मंजूरी मिल जाती है, तो येलो लाइन (गुरुग्राम), वॉयलेट लाइन (फरीदाबाद) और ग्रीन लाइन (बहादुरगढ़) के बाद यह दिल्ली मेट्रो का हरियाणा में यह चौथा विस्तार होगा।

इस कॉरिडोर की योजना वर्तमान में संचालित शहीद स्थल-रिठाला रेड लाइन कॉरिडोर के विस्तार के रूप में बताई जा रही है। अगर ऐसा होता है, तो यह दिल्ली के माध्यम से हरियाणा और उत्तर प्रदेश को जोड़ने वाला दिल्ली मेट्रो का पहला कॉरिडोर हो सकता है। फिलहाल दिल्ली मेट्रो ने इस रूट पर चार कोच वाली मेट्रो चलाने का प्रस्ताव रखा है। यदि इसकी मंजूरी मिल जाती है, तो पूरा कॉरिडोर 27.319 किलोमीटर का होगा, जिसमें 22 स्टेशन होंगे। जबकि 26.339 किलोमीटर तक ऊंचा रहेगा और लगभग 0.89 किलोमीटर ग्रेड पर होगा। 22 स्टेशनों में से 21 एलिवेटेड और एक ग्रेड पर होगा।

जानकारी के मुताबिक, इस कॉरिडोर पर प्रस्तावित स्टेशन हैं रिठाला, रोहिणी सेक्टर 25,

रोहिणी सेक्टर 26, रोहिणी सेक्टर 31, रोहिणी सेक्टर 32, रोहिणी सेक्टर 36, बरवाला, रोहिणी सेक्टर 35, रोहिणी सेक्टर 34, बवाना औद्योगिक क्षेत्र-1 सेक्टर 3, 4, बवाना औद्योगिक क्षेत्र-1 सेक्टर 1, 2, बवाना जेजे कॉलोनी, सनोथ, न्यू सनोथ, डिपो स्टेशन, भोरगढ़ गांव, अनाज मंडी नरेला, नरेला डीडीए स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, नरेला, नरेला सेक्टर 5, कुंडली और नाथपुर। दरअसल, दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने नरेला में 3,500 से अधिक फ्लैटों के साथ अपनी आवास योजनाएं शुरू की है। इन क्षेत्रों में कनेक्टिविटी बढ़ने से नई आवासीय कॉलोनियों में रहने वाले लोगों को काफी मदद मिलेगी। इससे पहले भी डीएमआरसी के द्वारका तक विस्तार ने उप-शहर की कनेक्टिविटी को बढ़ावा दिया था। रेड लाइन का ऐसा विस्तार इस क्षेत्र को पहले से ही चालू रेड लाइन से भी जोड़ देगा, जो मध्य और पूर्वी दिल्ली की जरूरी जगहों को कवर करते हुए उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद तक जाती है। रिठाला-नरेला-कुंडली कॉरिडोर के लिए संशोधित विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) इस महीने के अंत तक सौंपे जाने की उम्मीद है। अंतिम रूप देने के बाद डीपीआर को विचार/अनुमोदन के लिए सरकार को प्रस्तुत किया जाएगा।

सुकेश-लीना ने बिजनेस स्थापित करने के लिए किया 217 करोड़ का प्रयोग, कोर्ट ने कहा- मामला संवेदनशील प्रकृति का है

नई दिल्ली। 200 करोड़ से अधिक की की ठगी से जुड़े मामले में ठग सुकेश चंद्रशेखर की पत्नी लीना पालोज, सह-आरोपित कमलेश कोठारी और बी मोहन राज की जमानत याचिका दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को खारिज कर दी। न्यायमूर्ति दिनेश कुमार शर्मा की पीठ ने कहा कि अदालत के विचार से यह मामला बहुत ही गंभीर व संवेदनशील प्रकृति का है। प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ता मकोका (महाराष्ट्र कंट्रोल ऑफ ऑर्गेनाइज्ड क्राइम एक्ट) के अपराध में शामिल हैं और इस स्तर पर अदालत इस निष्कर्ष पर नहीं पहुंच सकती कि याचिकाकर्ता ऐसे अपराध के लिए दोषी नहीं हैं और ऐसा होने की संभावना भी नहीं है।

यह अदालत जमानत देने से इनकार करने के निचली अदालत के निर्णय में कोई गलती नहीं पाती है। ऐसे में जमानत याचिका खारिज की जाती है।

बॉलीवुड हस्तियों को गिफ्ट देने के लिए किया रुपयों का प्रयोग

अदालत ने कहा कि जांच में सामने आया है कि शिकायतकर्ताओं से वसूले गए 217 करोड़ रुपये का इस्तेमाल ठग सुकेश व उसकी पत्नी लीना पालोज ने अपना व्यापार स्थापित करने में किया था। इतना ही नहीं अपराध से प्राप्त आय का उपयोग हवाई यात्राएं करने के साथ ही बॉलीवुड हस्तियों के लिए हाई क्वालिटी वाले ब्रांडेड उपहारों की खरीदारी में किया गया था।

जेल में इन्हीं रुपयों से पाई सुविधाएं

अदालत ने कहा कि इसके अलावा इन्हीं रुपये का इस्तेमाल रोहिणी जेल में बैरक, मोबाइल फोन का निर्बाध उपयोग जैसी सुविधाएं हासिल करने के लिए आरोपित सुकेश चंद्र शेखर ने जेल अधिकारियों को रिश्वत देने के लिए किया था। जांच में यह भी पता चला कि लीना मोबाइल फोन के जरिए लगातार जेल में बंद सुकेश के साथ ही उसके सहयोगी जेल अधिकारी धर्म सिंह मीना व सुभाष बत्रा के संपर्क में थी।

लीना अपराध में थी शामिल

लीना सुकेश व उसके सहयोगियों के संपर्क में रहकर संगठन अपराध को अंजाम तक पहुंचाने में सक्रिय रूप से शामिल थी। यह भी पता चला कि लीना ने यह भुगतान ÷साइलेंट कॉलिंग ऐप÷ के माध्यम से किया था, इस एप का इस्तेमाल सुकेश ने अपने मोबाइल फोन में अपराध करने के लिए किया था, जब वह जेल में था।

लीना के खाते में ट्रांसफर हुई रकम

लीना अपराधिक आय से मिलने वाली नकद राशि को बैंकिंग लेनदेन में परिवर्तित करने में सक्रिय रूप से शामिल रही थी। जून 2020 से अगस्त 2021 के बीच विभिन्न फर्म व व्यक्तिगत रूप में लीना के खाते में धन ट्रांसफर हुआ था।

शिकायतकर्ता से वसूली गई 21 करोड़ रुपये की रकम भी लीना द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे पांच खातों में डाली गई थी। अदालत ने कहा कि वहीं, आरोपित कमलेश कोठारी ने वसूली की रकम से लग्जरी कार की खरीद में सुकेश व लीना की मदद की थी। अदालत ने कहा कि पेशे से अधिवक्ता मोहनराज वर्ष 2013 से सुकेश के कानूनी मामले देखता था और उसे सुकेश के आपराधिक इतिहास की पूरी जानकारी थी।

उसे पता था कि सुकेश जेल के अंदर से वसूली करता है और हवाला के जरिए अपराध की आय को ठिकाने लगाता था। ऐसे में मोहनराज ने गिरोह को मदद करने में उसने अहम भूमिका निभाई।

दिल्ली पुलिस ने पहले रैनबैक्सी के पूर्व प्रमोटरों शिविंदर सिंह और मालविंदर सिंह की पत्नियों से 200 करोड़ रुपये से अधिक की धोखाधड़ी करने के आरोप में चंद्रशेखर के खिलाफ प्राथमिकी की थी।

यमुना के बढ़ते जलस्तर को देखते हुए गोपाल राय ने लिया राजघाट डिपो के पास बने राहत केंद्र का जायजा

नई दिलली। यमुना के बढ़ते जलस्तर के मद्देनजर दिल्ली सरकार ने राहत और बचाव कार्यों को तेजी के साथ शुरू कर दिया है। इस दिशा में विकास मंत्री गोपाल राय ने राजघाट डीटीसी डिपो के पास बने राहत शिविर का जायजा लिया। सरकार द्वारा लगभग 2700 केंद्र/ टेंटो का इंतज़ाम किया गया है और वर्तमान में करीबन 27000 लोगों द्वारा इन टेंटो में रहने के लिए रजिस्ट्रेशन करवाया गया है। साथ ही लोगों के लिए शिविर में सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए है। प्रभावित इलाकों में रहने वाले लोगों को दिल्ली के अलग-अलग जिलों में बने शिविरों में स्थानांतरित किया जा रहा है। राय ने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए बताया की

उत्तरी भारत में हो रही भारी बरसात के कारण यमुना में तेजी से पानी बढ़ता जा रहा है। साथ ही हथिनिकुंड बैराज से भी लगातार लाखो क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है। ऐसे में दिल्ली में यमुना का जलस्तर खतरे के निशान को पार कर चूका है, लेकिन दिल्ली सरकार हर तरह के खतरे से निपटने के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। विभाग द्वारा यमुना के निचले इलाकों में से लोगों को निकालने और उन्हें सुरक्षित स्थानों पर भेजना शुरू कर दिया गया है। उन्होंने बताया की वर्तमान में राजघाट डीटीसी डिपो के पास बने राहत केंद्र में 126 लोग रह रहे है, जिन्हे हर तरह की मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश भी अधिकारी को दिए जा चुके है। साथ ही जिलाधिकारियों को निर्देश दिए कि, सभी टीमें अलर्ट पर रहे और जरुरत पड़ने पर अतिरिक्त टीमें तैनात की जाए और यमुना के निचले इलाकों में रहने वाले सभी लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए।

विश्व जनसंख्या दिवस पर सफदरजंग अस्पताल में स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने की दिलाई गई शपथ

नई दिल्ली। लोगों के स्वास्थ्य एवं उनके कल्याण के लिए विश्व जनसंख्या दिवस के मौके पर सफदरजंग अस्पताल की चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वंदना तलवार ने चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों को शपथ दिलाई। समारोह का उद्देश्य बढ़ती आबादी की विविध

आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए अस्पताल के नेतृत्व और कर्मचारियों के बीच सामूहिक प्रतिबद्धता को बढ़ावा देना था।

डॉ. वंदना तलवार ने अस्पताल के चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की बढ़ती आबादी के संदर्भ में व्यक्तियों और समुदायों की भलाई को प्राथमिकता देने वाली पहल का नेतृत्व करने में सफदरजंग अस्पताल की भूमिका अहम है। विश्व जनसंख्या दिवस पर शपथ ग्रहण समारोह जैसे आयोजन अस्पताल को सकारात्मक बदलाव के लिए प्रेरित करने और एक स्वस्थ भविष्य के निर्माण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को बनाए रखने में मदद करते हैं। उल्लेखनीय है कि विश्व जनसंख्या दिवस हर साल 11 जुलाई को मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक जनसंख्या मुद्दों और विकास और स्थिरता पर उनके प्रभाव के बारे में जागरूकता बढ़ाना है। यह परिवार नियोजन, लैंगिक समानता, मातृ स्वास्थ्य और सतत विकास सहित विभिन्न जनसंख्या-संबंधी चुनौतियों पर ध्यान केंद्रित करने का अवसर प्रदान करता है।

ग्रेटर नोएडा में वकीलों ने पुलिस कमिश्नर और कलेक्ट्रेट का किया घेराव, जमकर की नारेबाजी

ग्रेटर नोएडा। ग्रेटर नोएडा में वकीलों ने पहले पुलिस कमिश्नर कार्यालय और फिर कलेक्ट्रेट का घेराव किया है। जिसमें वकीलों की भीड़ ने प्रदर्शन किया है। वही 'वकील एकता जिंदाबाद' के नारे भी लगाए। वकीलों का कहना है कि तीन दिन पहले बार एसोसिएशन के सचिव पर जानलेवा हमला किया गया था। एडवोकेट नीरज तंवर की आखों में लाल मिर्च का पाउडर झोंक दिया था। बुधवार को गिरफ्तारी की मांग को लेकर वकीलों ने पहले जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा ज्ञापन सौंपा है। इसके बाद डीसीपी कार्यालय पर 'गौतमबुद्ध नगर पुलिस मुर्दाबाद' के नारे लगाए। वकीलों का आरोप है कि आरोपी को फर्जी तरीके से आईसीयू में भर्ती किया गया है। सीएमओ और सीएमएस पर कार्यवाही नहीं करने के आरोप लगाए हैं। बार एसोसियेशन के अध्यक्ष ने पुलिस की कार्यशैली पर सवाल उठाए हैं। आपको बता दें कि बीते सोमवार 11 जुलाई को जिला न्यायालय में सरकारी वकील और गौतबुद्ध नगर बार एसोसिएशन के सचिव के बीच मारपीट हुई थी। जिसमें सचिव के सिर पर चोट आई और उनका इलाज अस्पताल में चल रहा है। फिलहाल वह आईसीयू में भर्ती हैं। बार एसोसिएशन के सचिव नीरज तंवर के साथी एडवोकेट आदित्य भाटी ने बताया कि विशेष पोक्सो मामलों के सरकारी वकील नीटू विश्नोई के खिलाफ नीरज तंवर ने शिकायत दी।

आप के पूर्व पार्षद ताहिर को बड़ी राहत, दिल्ली दिल्ली ने पांच केस में दी जमानत, लेकिन अभी जेल में ही रहेंगे

नई दिलली। दिल्ली हाई कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन की पांच जमानत याचिकाएं मंजूर कर लीं। उन्हें सभी पांच मामलों में जमानत मिल गई है। ये सभी मामले 2020 में दयाल पुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे।

आपको बता दें कि ताहिर के खिलाफ ये सभी मामले 2020 में दयाल पुर पुलिस स्टेशन में दर्ज किए गए थे। ताहिर हुसैन के खिलाफ हत्या की कोशिश, दंगा और आपराधिक साजिश के आरोप में केस दर्ज किया गया था। हाईकोर्ट ने कुछ शर्तों के साथ इन पांचों मुकदमों में ताहिर को जमानत दे दी है। करीब साढ़े तीन साल बाद ताहिर को राहत मिली

है। हालांकि ताहिर अभी जेल में ही रहेगा, क्योंकि सभी मामलों में उसे जमानत नहीं मिली है।

दिल्ली दंगों में आइबी इंस्पेक्टर अंकित शर्मा की हत्या समेत कई अन्य मामले में आप के पूर्व पार्षद ताहिर हुसैन को आरोपी बनाया था। उत्तर-पूर्वी दिल्ली में साल 2020 फरवरी में ये दंगे हुए थे। दंगों में कई लोगों की जान गई थी। ताहिर हुसैन पर दंगे भड़काने और फंडिंग करने के आरोप लगे थे। इसके अलावा भी कई आरोप हैं।

दंगों के समय ताहिर हुसैन आम आदमी पार्टी के पार्षद था, लेकिन आरोपी साबित होने पर आप ने ताहिर को निष्कासित कर दिया था। दंगों में आईबी के इंस्पेक्टर अंकित शर्मा की हत्या की गई थी। इसके अलावा दो दिन तक चले दंगों में 50 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। 11 पुलिस थाना इलाकों के अंतर्गत आने वाले कई इलाकों में दंगाइयों ने जमकर उत्पात मचाया था।

नोएडा में तैनात हेड कांस्टेबल का शव गाजियाबाद के होटल में मिलने से मचा हड़कंप

गाजियाबाद। नोएडा में तैनात एक हेड कांस्टेबल का शव गाजियाबाद के थाना कोतवाली इलाके में बने एक होटल के कमरे से 11 जुलाई को बरामद हुआ। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

जानकारी के अनुसार, 2006 बैच में भर्ती हेड कांस्टेबल रवि मिश्रा नोएडा के थाना 113 में तैनात थे। उन्हें डायल 112 की ट्रेनिंग के लिए 14 जून को पुलिस लाइन भेजा गया था। जब 16 जून को भी वह हाजिर नहीं हुए तो उसकी गैरहाजिरी लगने लगी। तभी से वह लापता थे।नोएडा पुलिस ने बताया कि हेड कॉन्स्टेबल रवि मिश्रा पुत्र राम सेवक मिश्रा, निवासी ग्राम

नरियावल थाना बिथरी चैनपुर जिला बरेली, 10 जनवरी 2022 से थाना सेक्टर 113 गौतमबुद्धनगर में हेड कांस्टेबल के पद पर तैनात थे।

थाना कोतवाली गाजियाबाद पुलिस ने 11 जुलाई को सूचना दी कि रवि मिश्रा का शव हॉटल मरीना बजरिया गाजियाबाद में मिला है। थाना कोतवाली गाजियाबाद पुलिस द्वारा फिल्ड यूनिट बुलाकर मौके का निरीक्षण/परीक्षण कराने के उपरान्त शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामे की कार्यवाही कर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

परिजनो से मिली जानकारी के अनुसार, रवि मिश्रा की दिमागी हालत ठीक नही थी। उनका मनोचिकित्सक जिला संयुक्त चिकित्सालय गौतमबुद्धनगर और कैलाश अस्पताल नोएडा से उपचार चल रहा था।

दिल्ली में टूटा यमुना के जलस्तर का 45 साल पुराना रिकॉर्ड, धारा 144 लागू

पूर्वी दिल्ली। पहाड़ी राज्यों में बारिश के चलते इन दिनों यमुना नदी उफान पर है। यही वजह है कि दिल्ली में इसका जलस्तर 45 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ते हुए 207.55 मीटर पर पहुंच गया है। दिल्ली में आखिरी बार यमुना का जलस्तर 1978 में रिकॉर्ड स्तर 207.49 मीटर तक पहुंचा था। इसके बाद अब 2023 में इसका रिकॉर्ड टूटा है। प्रीत विहार के एसडीएम व बाढ़ के नोडल अफसर राजेंद्र कुमार ने कहा कि प्रशासन बाढ़ से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार है। खादर क्षेत्र से लोगों को निकाल लिया गया है।

बाढ़ प्रभावित इलाकों में धारा 144 लागू

दिल्ली के जिन इलाकों में यमुना का जलस्तर बढ़ गया है, वहां एहतियात के तौर पर धारा 144 लागू कर दी गई है। इसके साथ ही अब प्रशासन पूरी तरह से अलर्ट है।

दिल्ली के सीएम ने बुलाई आपात बैठक

यमुना के जलस्तर का 45 साल पुराना रिकॉर्ड टूटने पर दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल ने आपात बैठक

बुलाई है।

इन इलाकों में सिविल डिफेंस वॉलंटियर हैं तैनात

गीता कॉलोनी, पुराना लोहापुल व वजीराबाद रोड और सिग्नेचर ब्रिज पर भी सिविल डिफेंस वॉलंटियर तैनात किए गए हैं, ताकि वहां पर लोगों की भीड़ जमा न हो। अभी रिहायशी क्षेत्र में पानी पहुंचने की संभावना नहीं है।

अभी नहीं भरेगा रिहायशी इलाकों में पानी

अथिकारियों के अनुसार, पुश्ता होने की वजह से रिहाशी क्षेत्र में अभी पानी नहीं भरेगा। पुश्ते के पास गीता कॉलोनी, उस्मानपुर, शास्त्री पार्क, सोनिया विहार, भजनपुरा, खजूरी, गांधी नगर, किशनकुंज, मयूर विहार फेज-एक सहित कई कॉलोनी बसी हुई हैं।

पूर्वी दिल्ली में 60 लोगों का किया रेस्क्यू

पूर्वी दिल्ली में खेल गांव के पास खादर में जलस्तर बढ़ने से फंसे 60 लोगों का रेस्क्यू करवाया गया है। यह रेस्क्यू प्रीत विहार एसडीएम राजेन्द्र कुमार व पुलिस ने मिलकर किया है। इसमें महिलाएं व बच्चे और बुजुर्ग शामिल हैं

यमुना का जलस्तर बढ़ने से जेवर में फसलें डूबीं

जेवर : हरियाणा के यमुनानगर स्थित हथिनी कुंड बैराज से छोड़े गए लाखों क्यूसेक पानी ने यमुना के जलस्तर को बढ़ा दिया। इससे जेवर के छह गांवों की फसल बाढ़ के पानी में डूब गई। किसान अपनी फसल को बचाने में जुट गए। देर रात तक जलस्तर और बढ़ने की संभावना है। जेवर क्षेत्र के गांव झुप्पा, शमशमनगर, पुरनगर, कानीगढ़ी, गोविंदगढं, जेवर खादर, छातगा और रामपुर से यमुना के पास है। झुप्पा बॉर्डर से रामपुर बांगर तक बांध बना हुआ है। जिसके कारण बारिश में हजारों बीघा धान, बाजरा और सब्जी की फसल हर वर्ष यमुना की बाढ़ की चपेट में आ जाती है। हथिनी कुंड बैराज से रविवार को छोड़े गए लाखों क्यूसेक पानी ने किसानों की नींद उड़ा दी। नदी का जलस्तर बढ़ने से सोमवार को बाढ़ की स्थिति बन गई। मंगलवार रात को कई गांवों की फसल बाढ़ की चपेट में आने से जलमग्न हो गई। किसान अपने परिवारजनों के साथ अपनी फसल को बाढ़ के पानी से जुट गए। एहतियातन 17 बाढ़ चौकियां बनाई गई एडीएम वित्त अतुल कुमार ने बताया कि यमुना में बाढ़ के मद्देनजर तैयारियां शुरू कर दी गई हैं। 17 बाढ़ चौकियों का निर्माण किया गया है। जिला स्तर पर 11 और ब्लॉक स्तर पर 22 टीम का गठन किया गया है। दिल्ली से छोड़े जाने वाले पानी के मद्देनजर जिला प्रशासन के अधिकारी यमुना में बढ़ने वाले जलस्तर पर पूरी निगाह बनाए हैं। नदी किनारे बसे 10 गांवों के लोगों को अलर्ट जारी सिंचाई विभाग ने यमुना से सटे 10 गांव के लोगों के लिए अलर्ट जारी किया है। इनमें सफीपुर, मकनपुर, लतीफपुर, मोमनाथल, याकूतपुर, बडौली बांगर सहित 10 गांव शामिल हैं। लोगों को अपना जरूरी सामान सुरक्षित रखने का भी निर्देश दिए हैं। इसके अलावा उनको कहा गया है कि हालत बिगड़ने पर तुरंत जिला प्रशासन को सूचित करें। एसडीएम जेवर अभय कुमार सिंह का कहना है कि यमुना जल स्तर रात को और बढ़ने की संभावना है। हर परिस्थिति से निपटने के लिए तहसील कर्मचारियों को तैनात किया गया है। जो पल-पल की स्थिति पर नजर रख रहे हैं। उनको हर जानकारी से अवगत कराने के आदेश दिए गए हैं।

करंट लगने से बिजली मिस्त्री की मौत

नोएडा। नोएडा में दादरी थानाक्षेत्र के म्यू -सेक्टर में एक मकान में काम करने के दौरान बिजली का करंट लग जाने से एक व्यक्ति की मौत हो गयी। पुलिस ने यह जानकारी दी। थाना प्रभारी सुजीत उपाध्याय ने बताया कि म्यू सेक्टर में मोहित भाटी के मकान पर अवधेश कुमार अपने एक एक साथी बिजली का काम कर रहा था और उसी दौरान जब वह ड्रिल मशीन से दीवार में छेद कर रहा था तभी मशीन में करंट आ गया एवं उसे करंट लग गया। उपाध्याय के अनुसार अवधेश को उसके साथी ने बचाना चाहा तो उसे भी बिजली का झटका लग गया। उन्होंने बताया कि इस घटना में अवधेश की मौत हो गई।थाना प्रभारी ने बताया कि अगर इस मामले में मृतक के परिजन कोई शिकायत करते हैं तो पुलिस मामले की जांच करेगी। उधर, बिसरख थानाक्षेत्र क्षेत्र में भी जाहिद नामक एक व्यक्ति को बिजली का करंट लग गया और इस घटना में उसकी मौत हो गई। थाना प्रभारी निरीक्षक अनिल कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गैंगस्टर अमित कसाना की 17 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट की धारा 14 (1) के तहत कुख्यात बदमाश अमित कसाना की 17 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क कर दी है। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि गाजियाबाद का रहने वाला कसाना कुख्यात गैंगस्टर रणदीप भाटी का भांजा है। वह रणदीप भाटी गिरोह के शार्प शूटर के रूप में कुख्यात है। प्रवक्ता के मुताबिक, गौतमबुद्ध नगर पुलिस ने कसाना का गाजियाबाद के रिस्तल स्थित दो मंजिला मकान और असादपुर गांव स्थित 18 हजार वर्ग मीटर में बना बंगला कुर्क कर दिया है। उन्होंने बताया कि दोनों संपत्ति की कुल कीमत 17 करोड़ रुपये के आसपास है। प्रवक्ता के अनुसार, कसाना पर हत्या, रंगदारी, फिरौती, अपहरण और लूट के 36 से ज्यादा मामले दर्ज हैं।

तेज बारिश के चलते हुआ हादसा

नोएडा । मानसून की बारिश जानलेवा साबित हो रही है। जेवर में मे दो मंजिला मकान भरभराकर गिर गया। हादसे के समय मकान मे मौजूद पति पत्नी व उनका बेटा मलबे में दब गया। पड़ोसियों ने तीनों को मलबे से निकालकर निजी अस्पताल मे भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान पति की मौत हो गई। जबकि दोनों घायलों की हालत गंभीर बनी हुई है। अस्पताल में एक की हुई की हुई मौत कस्बे के मोहल्ला सल्लियान मे रहने वाले सतबीर बिजली मिस्त्री हैं। सोमवार को वह पत्नी अनीता व बेटे नितिन के साथ घर में थे। हादसे के समय सतवीर की बेटी कशिश (16) व दिव्या (11) घर के बाहर गई हुई थीं। अचानक उनका दो मंजिला मकान गिर गया। तीनों मलबे में दब गए। चीख पुकार व मकान गिरने की आवाज सुनकर पड़ोस में रह रहे सतबीर का भाई सुनील व आस पड़ोस के लोग मौके पर पहुंचे। सुनील ने फौरन ही घर को जा रही बिजली की लाइन काट दी। इसके बाद लोगों ने मलबे को हटाना शुरू किया और तीनों को बाहर निकाला। मलबे मे दबने से सतवीर की पत्नी बेहोश हो गईं थीं । मलबे में दबने से घायल हुए तीनों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से उन्हें जिम्स रेफर कर दिया गया। वहां उपचार के दौरान सतवीर की देर रात मौत हो गई।

जनसंख्या समाधान नियंत्रण फाउंडेशन एवं नागरिक अधिकार मंच ने एसडीएम बुढाना को सौंपा ज्ञापन

बुढ़ाना। जनसंख्या समाधान नियंत्रण फाउंडेशन एवं नागरिक अधिकार मंच एनजीओ ने एसडीम बुढ़ाना मुजफ्फरनगर को ज्ञापन सौंपा । ज्ञापन में मांग रक्खी कि जनसंख्या विस्फोट एवं असंतुलन की समस्या पर कुशल एवं प्रभावी नियंत्रण के लिए जनसंख्या नियंत्रण कानून को बनाया जाना चाहिए। कार्यक्रम में प्रदेश अध्यक्ष जसवीर सिंह NGO , रविन्द्र राठी , भाजपा नेता एवं भूमि विकास बैंक चेयरमैन विनोद सैनी, सुधीर सैनी, मास्टर बृजपाल सिंह, पंकज सिंह भाकियू तोमर टोडा। पुष्पेंद्र सिंह भाजपा किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, सोमपाल, शशि मलिक फाउंडेशन जिलाध्यक्ष संतोष, जिला उपाध्यक्ष संतोष टीचर, वर्षा पाल्ले, मौसम, मुनेश , सत्यवीर, प्रमिला, सुनीता पांचाल ने भाग लिया । आप सभी ने संयुक्त रूप से अपने विचार रखें और कहा कि आज हम एसडीएम बुढ़ाना मुजफ्फरनगर को ज्ञापन दे रहे हैं और उसके बाद शीघ्र ही हम 22 जुलाई को दिल्ली माननीय प्रधानमंत्री के सामने भी अपनी जनसंख्या नियंत्रण कानून की मांग को रखेंगे ।

नगर पंचायत दनकौर में चलाया गया संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान

डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद में संचालित किया जा रहा है संचारी रोग नियंत्रण अभियान

दनकौर । नगर पंचायत दनकौर के द्वारा अभियान चलाकर निरंतर किया जा रहा है एंटी लारवा का छिड़काव, नालियों की साफ-सफाई व फागिंग।उत्तर प्रदेश सरकार के माननीय मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी की मंशा के अनुरूप आम जनमानस को संचारी रोगों से सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से डीएम मनीष कुमार वर्मा के नेतृत्व में जनपद गौतम बुद्ध नगर में 1 जुलाई से 31 जुलाई तक संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं 17 जुलाई से 31 जुलाई तक दस्तक अभियान संचालित किया जा रहा है। इसी श्रंखला में ई. ओ. दनकौर सीमा राघव ने जानकारी देते हुए बताया कि संचारी रोग नियंत्रण अभियान एवं दस्तक अभियान के तहत नगर पंचायत क्षेत्र दनकौर में माइक्रो प्लान के अनुरूप एंटी लारवा का छिड़काव, नालियों की साफ-सफाई, जलभराव का निस्तारण तथा फॉगिंग आदि कराई जा रही है, ताकि आम जनमानस को संचारी रोगों से सुरक्षित रखा जा सके। उन्होंने कहा कि आगे भी डीएम मनीष कुमार वर्मा के निदेशों के क्रम में संचारी रोग नियंत्रण एवं दस्तक अभियान के तहत नगर पंचायत क्षेत्र में निरंतर स्तर पर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

संक्षिप्त डायरी

जेल में एक कैदी की संदिग्ध अवस्था में मौत

नोएडा । गौतम बुद्ध नगर जनपद की लुक्सर जेल में 92 वर्षीय एक कैदी की संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई है। पुलिस ने यह जानकारी दी है। जेल के अधीक्षकट अरुण प्रताप सिंह ने बताया कि रामटेक (92) हत्या के जुमें लुक्सर जेल में उम्रकैद की सजा काट रहे थे तथा सोमवार को उनकी अचानक तबीयत खराब हुई तथा उन्हें गंभीर हालत में ग्रेटर नोएडा के जिम्स अस्पताल में भर्ती करवाया गया। सिंह ने बताया कि अस्पताल में डॉक्टरों ने उन्हे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उन्होंने बताया की विधि अनुसार इस मामले में अग्रिम कार्रवाई की जा रही है।

नोएडा में अमरूद तोड़ने को लेकर हुए विवाद में युवक घायल

नोएडा। उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले के जारचा थाना क्षेत्र में अमरूद तोड़ने को लेकर हुए विवाद में एक युवक को गोली लग गई। पुलिस ने बताया कि युवक को बेहद गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जारचा थाने के प्रभारी निरीक्षक ज्ञान सिंह ने बताया कि बिसाहड़ा गांव निवासी दीपक ने सोमवार रात को शिकायत दर्ज कराई कि उसने महाराणा प्रताप संस्कृति विद्यालय में लगे अमरूद के पेड़ से एक अमरूद तोड़ लिया, जिससे आक्रोशित दुष्यंत उर्फ लवली ने उसके साथ मारपीट शुरू कर दी और उस पर गोली भी चलाई। दीपक का आरोप है कि गोली उसे न लगकर उसे बचाने आए जमशेद के पेट में लग गई। शिकायत के अनुसार, जमशेद को बेहद गंभीर अवस्था में अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस के मुताबिक,दीपक की शिकायत पर दुष्यंत उर्फ लवली के खिलाफ हत्या के प्रयास सहित विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर घटना की जांच शुरू कर दी गई है।

भारी बारिश से मकान गिरा, व्यक्ति की मौत

नोएडाः उत्तर प्रदेश के गौतमबुद्ध नगर जिले में भारी बारिश के चलते मकान गिरने से उसमें रह रहे 42 वर्षीय व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और बेटा घायल हो गए। पुलिस प्रवक्ता ने मंगलवार को यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने बताया कि यह हादसा सोमवार देर रात जेवर थाना क्षेत्र के साल्यान इलाके में हुआ। उन्होंने कहा, हादसे के समय सतवीर, उसकी पत्नी अनुराधा (38) और बेटा नितिन (19) मकान में सो रहे थे। पड़ोसी और अन्य स्थानीय लोग उन्हें मलबे से निकालकर पास के एक अस्पताल ले गए, जहां सतवीर ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रवक्ता के मुताबिक, सतवीर का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है, जबकि उसके बेटे और पत्नी का इलाज जारी है। उन्होंने कहा कि मामले में आगे की विधिक कार्यवाही की जा रही है।

इंडिया गेट पर सड़क धंसी, पुलिस ने की घेराबंदी

नई दिल्ली। नई दिल्ली जिले के इंडिया गेट क्षेत्र में बारिश के कारण सड़क धंसने का एक मामला सामने आया है। लगातार बारिश के बीच दिल्ली में कई जगह सड़क धंसने की घटनाएं सामने आई है। लेकिन अब इंडिया गेट क्षेत्र में बारिश के कारण सड़क धंस गई। गनीमत रही कि सड़क धंसने के दौरान वहां से कोई नहीं गुजर रहा था। यह घटना दिल्ली के सी हेक्सागोन इंडिया गेट की है। जहां सड़क का कुछ हिस्सा जमीन में चला गया है। ट्रैफिक पुलिस ने यातायात को लेकर सड़क धंसने से सी हेक्सागन इंडिया गेट पर यातायात प्रभावित होने को लेकर एक एडवाइजरी जारी की है। सलाह दी गई है कि वह इस रास्ते से जानें से बचें। मौके पर संबंधित विभाग के सभी अधिकारी पहुंच गए हैं और जिस जगह गड्ढा हुआ है उसको चारों तरफ से बैरिकेडिंग कर दिया गया है। मौके पर ट्रैफिक पुलिसकर्मी और दिल्ली पुलिस के जवान तैनात हैं।

संस्कार उजाला

अब कर सकेंगे हरियाणा और दिल्ली की यात्रा, मगर हिमाचल व उत्तराखंड नहीं जाएंगी चंडीगढ़ की बसें

चंडीगढ़। पिछले दिनों हुई भारी बारिश से चंडीगढ़ ट्रांसपोर्ट अंडरटेकिंग (सीटीयू) की लोकल और लांग रूट की बसें भी प्रभावित हुई हैं। हिमाचल और उत्तराखंड के ज्यादातर रूट बंद हैं। इससे इन रूट पर बसें नहीं चल रहीं हैं। वहीं, चंडीगढ़ के कई अंडरपास और रास्ते बंद होने से जीकरपुर, डेराबस्सी, खरड़ और रेलवे स्टेशन के लिए जाने वाली बसें भी बंद हैं। हालांकि यात्रियों की संख्या को देखते हुए दिल्ली के लिए बसें बढ़ा दी गई हैं। मंगलवार को मौसम खुलने के बाद पंजाब, हरियाणा और दिल्ली के रूटों पर बस सेवा शुरू कर दी गई है लेकिन हिमाचल और उत्तराखंड के लिए बसें अभी नहीं चल रहीं हैं। ऐसे में यात्रियों को गंतव्य तक पहुंचने में परेशानी झेलनी पड़ रही है। बारिश से दिल्ली जाने वाली बसें भी प्रभावित हुई थीं। साहा और बनूड़ के रास्ते कुछ बसें दिल्ली जा रहीं थीं लेकिन मंगलवार से दिल्ली बस सेवा सामान्य हो गई। परिवहन निदेशक प्रद्युम्न सिंह ने बताया कि भारी बारिश के चलते बस सेवा प्रभावित हुई है। हिमाचल और उत्तराखंड के रूटों पर भूस्खलन हुए हैं, इन रूटों पर सड़क मार्ग खुलने के बाद सेवा शुरू होगी। हालांकि यात्रियों की संख्या को देखते हुए दिल्ली के लिए बसों की संख्या को बढ़ाया गया है। वहीं, विकास नगर अंडरपास, इंडस्ट्रियल एरिया अंडरपास, शास्त्री नगर पुल समेत न्यू चंडीगढ़ का रास्ता टूटने से स्थानीय बस सेवा भी प्रभावित हुई है। मंगलवार को कई लोगों की शिकायत रही कि उन्हें बस के लिए सामान्य से काफी ज्यादा देर इंतजार करना पड़ा। बसों के रूट प्रभावित होने का लाभ ऑटो चालक उठा रहे हैं और लोगों से कई गुना पैसे वसूले गए। सीटीयू की तरफ से बताया गया कि व्यवस्था के बहाल होने के बाद सभी रूट को दोबारा शुरू कर दिया जाएगा।

भारी वर्षा के दौरान जलभराव वाले इलाको से पानी निकलवाने के लिए फील्ड में अधिकारी व कर्मचारी रहेंगें मौजूद–उपायुक्त

करनाल। उपायुक्त अनीश यादव ने आदेश दिए कि भारी वर्षा के दौरान जलभराव वाले इलाको से पानी निकलवाने के लिए अधिकारी व कर्मचारी फील्ड में मौजूद रहेंगें। बिना अनुमति के कोई भी अधिकारी व कर्मचारी अवकाश पर नही जाएगा और ना ही अपना मोबाईल फोन बंद रखेगा ताकि आमजन को परेशानियों का सामना न करना पड़े।

उपायुक्त अनीश यादव के द्वारा जारी आदेशो में जिला नगर आयुक्त करनाल को निर्देश दिए गए है कि सभी नगर पालिका सचिवो से शहरी इलाको से पानी निकलवाने के लिए उचित प्रबंध करवाए जाए तथा समय - समय पर शहरी इलाको का दौरा करके उपायुक्त कार्यालय भिजवाना सुनिश्चित करें। इसी प्रकार जिला परिषद करनाल के मुख्य कार्यकारी अधिकारी व जिला विकास एंव पंचायत अधिकारी करनाल को निर्देश दिए जाते है कि वे सभी ग्राम सचिवों को गांवो में मौजूद रखे तथा स्थनीय लोगो व संबंधित उप-मण्डल अधिकारी नागरिक के सम्पर्क में रहेंगें। उन्होंने सभी एसडीएम को निर्देश दिए कि वे संबंधित विभाग से तालमेल करके जलभराव वाले इलाको से पानी व लोगो को बाहर निकलवाने के लिए उचित प्रबंध करवाना सुनिश्चित करे। उन्होंने सिविल सर्जन करनाल को निर्देश दिए की वे अपने अधीनस्थ स्टॉफ को पीएचसी व सीएचसी में मौजूद रखेंगें। इसी प्रकार जिला राजस्व अधिकारी करनाल को निर्देश दिए कि वह अपने सभी कानूनगो व पटवारियों को अपने हल्के व गांव में मौजूद रखेंगें। कानूनगो व पटवारियों स्थनीय लोगो के सम्पर्क में रहें तथा समय-समय पर जिला राजस्व अधिकारी करनाल को सूचना भिजवाना सुनिश्चित करेंगें।

रोहतक में कार ने 2 बाइकों को मारी टक्कर, बच्चे समेत 3 की मौत

रोहतक। हरियाणा के रोहतक में कार सवार ने दो बाइकों पर सवार 4 लोगों को टक्कर मार दी। इससे चारों को गंभीर चोटें आई। उन्हें उपचार के लिए रोहतक पीजीआई में लाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने 3 को मृत घोषित कर दिया, वहीं एक की हालत गंभीर है। वहीं हादसे के बाद चालक कार को छोड़कर फरार हो गया है। मिली जानकारी के अनुसार कार ड्राइवर नशे में था और तेज रफ्तार में गाड़ी चला रहा था। जिसके कारण यह हादसा हुआ। कार ड्राइवर जींद की तरफ से रोहतक आ रहा था। मंगलवार देर रात को जींद बाइपास चौक के पास रोहतक से अपने गांव जा रहे बाइक सवार गांव लाखनमजरा निवासी जयभगवान व उनके बेटे यश को टक्कर मार दी। इसके बाद वह यश को काफी दूर तक घसीटता हुआ ले गया।

मोटरसाइकिल सवार दो युवकों को मारी टक्कर

एक्सीडेंट के बाद कार सवार हिसार रोड पर रामपाल आश्रम की तरफ गा गया। जहां आश्रम के पास बाइक सवार गांव मदीना निवासी नरेंद्र व जयदीप को टक्कर मार दी। इस हादसे में घायल दोनों लोगों को उपचार के लिए PGI लाया गया। यहां पर डॉक्टरों ने 31 वर्षीय नरेंद्र, 36 वर्षीय जयदीप के साथ लाखनमाजरा निवासी 7 वर्षीय यश को मृत घोषित कर दिया। मृतक जयदीप प्राइवेट बस का कंडक्टर था। वहीं नरेंद्र ने जींद बाइपास पर चौखट-जंगलों की दुकान की हुई थी।

कार छोड़कर ड्राइवर फरार

जांच अधिकारी SI सुरेश कुमार ने बताया कि एक्सीडेंट की सूचना मिलते ही वे मौके पर पहुंचे थे। कार चालक ने दूसरा हादसा बहु अकबरपुर थाना एरिया में किया। हादसे के बाद चालक अपनी कार को छोड़कर फरार हो गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

बरवाला में पानी निकासी के सभी दावे खोखले, जनता परेशान-भूपेन्द्र गंगवा

हिसार। बरवाला विधानसभा हलके से कांग्रेस पार्टी के प्रत्याशी रहे भूपेंद्र गंगवा ने मंगलवार को बरवाला विधानसभा हलके के शहरी क्षेत्रों का दौरा किया और क्षेत्रों में भरे पानी का जायजा लिया। उन्होंने कहा कि नए बस स्टेंड से लेकर पुराने बस स्टैंड तक जो सड़क खोदी गई थी, उसका पुननिर्माण न करने के कारण एक ही बरसात ने पूरे बरवाला शहर को जलमग्न कर दिया है। बरवाला पहुंचे भूपेंद्र गंगवा ने मंगलवार को कहा कि यहां लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। लोगों के काम धंधे ठप हैं। उन्होंने जिला प्रशासन व सरकार पर कड़े प्रहार करते हुए कहा कि जो सरकार पानी की निकासी की समस्या का हल नहीं कर सकती, वह सरकार लोगों की समस्या कैसे हल करेगी। पूरा बरवाला शहर पूरी तरह से बरसाती पानी से व सीवरेज पानी की समस्या से ग्रस्त है और यहां के प्रतिनिधि यहां पर आना उचित भी नहीं समझते, क्योंकि वह नहीं चाहते कि बरवाला की समस्या हल हो। उन्होंने कहा कि जल्द पानी की निकासी की समस्या का हल नहीं किया गया और खोदी हुई सड़क को ठीक नहीं किया गया तो बरवाला हलके के लोगों के साथ मिलकर जोरदार प्रदर्शन करके सरकार को जगाने का काम करेंगे। उन्होंने सरकार से भी मांग की कि इस समस्या को जल्द से जल्द हल किया जाए, जिससे आम जन मानस को जल्द से जल्द से इस समस्या से छुटकारा मिले।इस अवसर पर रोहताश ग्रोवर इंटक के प्रधान, पंडित ज्ञानी राम, मुरारी लाल बंसल, राहुल गर्ग, पवन मित्तल, सत्यवान भयाण, सुभाष जांगड़ा, ईश्वर मलिक, रामधन पंडित, हंसराज ओड, प्रेम कुमार, रणवीर जांगड़ा, सुनीता देवी, परमेश्वरी देवी, बाला देवी, कृष्णा देवी, विनोद कुमार, पप्पू व साधु राम इंस्पेक्टर सहित सैकडों शहरवासी मौजद थे।

2024 चुनावों की रणनीति को और मजबूत करने को प्रदेश भाजपा के आला नेताओं ने घंटों किया मंथन

चंडीगढ़। मंगलवार को भारतीय जनता पार्टी हरियाणा के आला नेताओं ने गुरुग्राम के भाजपा कार्यालय गुरुकमल में 2024 के लोकसभा और विधानसभा चुनावों की रणनीति को और अधिक मजबूत करने को लेकर लगभग तीन घंटे तक गहन मंथन किया। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ की अध्यक्षता और मुख्यमंत्री मनोहर व प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब की उपस्थिति में होने वाली इस बैठक में प्रदेश के राजनीतिक घटनाक्रमों, संगठनात्मक विषयों पर भी चर्चा हुई। खुद मुख्यमंत्री मनोहर लाल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मिलने के तुरंत बाद सीधे इस बैठक में आए। प्रदेश प्रभारी बिप्लब कुमार देब भी बैठक में शामिल होने दिल्ली से गुरुकमल पहुंचे। इसके अलावा संगठन मंत्री रविन्द्र राजू, प्रदेश महामंत्री एडवोकेट वेदपाल और पवन सैनी भी छोटी टोली की इस बैठक में उपस्थित रहे। प्रदेश के भाजपा आला नेताओं की इस बैठक में अत्याधिक बरसात के कारण बने हालातों से निपटने पर भी चर्चा हुई तथा पिछले जून माह में चले महाजनसंपर्क अभियान के दौरान हुए कार्यक्रमों की सफलता के लिए पार्टी कार्यकर्ताओं की मेहनत को भी सराहा गया।

जानकारी के मुताबिक आज की इस बैठक में सभी सांसदों के साथ हुई बैठक में रखे गए विषयों पर हुए कार्यों की समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने इस बैठक से पहले दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के साथ हुई अपनी बातचीत की

जानकारी भी सबके सामने रखी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री को बरसात से बने हालातों की जानकारी दी गई है। मुख्यमंत्री ने बैठक में बताया कि सरकार अत्याधिक बरसात से बनी परिस्थितियों से निपटने के लिए लगातार काम कर रही है और सभी प्रशासनिक अधिकारियों को इस संबंध में निर्देश दिए हैं कि जनता को किसी प्रकार की परेशानी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने बैठक में यह बात भी रखी कि पार्टी के कार्यकर्ता भी परिस्थिति पर नजर रखें और लोगों की सहायता करें।

प्रदेश प्रभारी बिप्लब देब ने अपनी बात रखते हुए प्रोपर्टी आईडी, पीपीपी जैसे योजनाओं में आ रही दिक्कतों को जल्दी से जल्दी हल कराने की बात रखी और मुख्यमंत्री मनोहर लाल द्वारा इस संबंध में उठाए जा रहे कदमों की सराहना भी की। प्रदेश अध्यक्ष ओमप्रकाश धनखड़ ने बताया कि विस्तारक योजना, हर लोक सभा में एक एक हजार लोगों से संपर्क करने के विषय रखे गए। 23 जुलाई को कुरुक्षेत्र में रैली होगी। धनखड़ ने बताया कि सभी मोर्चे द्वारा तिरंगा यात्रा निकालने का फैसला भी हुआ।

धनखड़ ने बताया कि बरसात के कारण हो रही समस्याओं से निपटने पर भी चर्चा की गई है। धनखड़ ने बताया कि मुख्यमंत्री ने विस्तार से बरसाती समस्याओं से निपटने की योजना की जानकारी बैठक में रखी। प्रदेश अध्यक्ष ने बताया कि पन्ना प्रमुखों के सफल आयोजन हुए हैं। उन्होंने बताया कि बैठक में यह फैसला भी हुआ है कि 22 जुलाई को हिसार में मंडल अध्यक्षों, विस्तारकों और जिला अध्यक्षों व प्रभारियों की बैठक भी रखी जाएगी।

हांसी में ऑटो मार्केट में अवैध निर्माणों पर हुडा व पुलिस ने चलाया पीला पंजा

हिसार। हांसी के तोशाम रोड स्थित ऑटो मार्केट में पुलिस व हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण विभाग की संयुक्त कार्यवाही में अवैध निर्माणों व झुग्गी झोपड़ियों पर मंगलवार को पीला पंजा चलाया गया। पीले पंजे द्वारा अपने आशियानों को गिरते देख कई महिलाएं बेहोश हो तो कईयों का रो-रोकर बुरा हाल था। पुलिस व हुडा के अधिकारियों को उन पर कोई तरस नहीं आया। करीब दो घंटे की कार्रवाई के दौरान अधिकांश अवैध निर्माण को धराशायी कर दिया गया। मंगलवार को हुई इस कार्रवाई के दौरान कई महिलाओं टीम पर भेदभाव के आरोप भी लगाए। महिलाओं का कहना था कि पुलिस व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ सांठगांठ रखने वाले लोगों के निर्माण पर नाम मात्र पीला पंजा चला कर उन्हें स्वयं अतिक्रमण हटाने की बात कह कर टीम आगे बढ गई जबकि गरीब व मेहनत मजदूरी करके अपने परिवार का पालन पोषण करने वाले लोगों को झुग्गी झोपड़ियों में रखे सामान को निकालने का मौका नहीं दिया गया। उनके सामान पर जेसीबी चला कर उनका खाने पीने का सामान भी खराब कर दिया। प्रशासन द्वारा किसी भी प्रकार की अनहोनी घटना से निपटने के लिए ऑटो मार्केट को पुलिस छावनी में तब्दील कर दिया गया था और झुग्गी झोपड़ियों में रहने वाली महिलाएं विरोध ना करें इसके लिए प्रशासन द्वारा काफी संख्या महिला पुलिस कर्मियों को भी तैनात किया गया था। जिस भी झुग्गी झोपड़ी में रहने वाली महिलाओं ने कार्रवाई का विरोध किया उसे महिला पुलिस कर्मियों ने काबू कर वहां से हटा दिया। अवैध निर्माण हटाने की कार्रवाई के समय अधिकांश झुग्गी झोपड़ियों में महिलाएं ही मौजूद थी। महिलाओं का कहना था कि सभी पुरुष दिहाड़ी मजदूरी पर गये हुए हैं। डीएसपी धीरज कुमार ने बताया कि हुडा व पुलिस ने यह कार्रवाई की है। उन्होंने बताया कि इन लोगों ने ऑटो मार्केट की जमीन पर अवैध कब्जे कर झुग्गी झोपड़ियों व पक्के निर्माण कर रखे हैं। शहरी विकास प्राधिकरण प्रशासन द्वारा कई बार नोटिस जारी किए जाने के बावजूद भी जमीन को खाली नहीं किया जा रहा था। पुलिस को भी यहां रहने वाले लोगों द्वारा नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त होने की सूचनाएं मिल रही थी।

सफाई के काम में जो भी लापरवाही करेगा खिलाफ होगी सख्त कार्रवाही- महापौर गौतम सरदाना

हिसार। महापौर गौतम सरदाना ने शहर के विभिन्न क्षेत्रों में सफाई व्यवस्था का किया औचक निरीक्षण। इस दौरान सयुंक्त आयुक्त प्रीत पाल, पार्षद टीनू जैन, पार्षद उमेद खन्ना, सीएसआई राजकुमार, सीएसआई जयवीर सिंह, जेई राकेश कुमार सहित अन्य कर्मचारी मौजूद रहे। महापौर गौतम सरना सबसे पहले ऑटो मार्केट के समीप कचरा पॉइंट पर पहुंचे तो वहां पर भारी मात्रा में कचरा था। जिसको देखकर महापौर गौतम सरदाना ने सयुंक्त आयुक्त को लापरवाही करने वाले कर्मचारी पर कार्रवाही करने के आदेश दिए। जिसको तुरंत प्रभाव से जेसीबी की सहायता से उठाया गया। इसके बाद महापौर गौतम सरदाना सोहन सिनेमा के नजदीक कचरा पॉइंट पर पहुंचे तो स्थानीय लोगों इस पॉइंट को खत्म करने की मांग रखी। जिस पर महापौर गौतम सरदाना ने अधिकारियों को इस प्वाइंट पर कूड़ा डालने वालों के खिलाफ कार्रवाई करने को कहा। इसके बाद महापौर गौतम सरदाना मिल गेट स्थित बूस्टिंग स्टेशन के पास कचरा पॉइंट पर पहुंचे। इस पॉइंट को साफ सुथरा रखने व दीवार पर पेंटिंग का कार्य करने के दिशा निर्देश दिए। जलेबी चौक स्थित कचरा पॉइंट पर पहुंचे महापौर गौतम सरदाना ने देखा कि यहां पर कूड़ा भारी मात्रा मैं था। इस दौरान शहर के विभिन्न प्वाइंटों का निरीक्षण करने के बाद महापौर गौतम सरदाना ने कहा है की अब छोटे वाहनों से कूड़ा एकत्रित करके पल्ली की सहायता से कूड़ा ट्रैक्टर ट्रॉली में डालकर निश्चित स्थान पर भेजा जाएगा। जिससे शहर में कूड़े के पॉइंट नहीं बनेंगे। इसके बाद महापौर गौतम सरदाना तेजा फार्म कॉलोनी पहुंचे। नालियों की सफाई ना होने से संबंधित कर्मचारी पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए। महापौर गौतम सरदाना ने कहा कि नगर निगम का पहला काम सफाई करना है। सफाई के काम में जो भी लापरवाही

करेगा। उसके खिलाफ सख्त कार्रवाही की जाएगी।

सफाई निरीक्षण के दौरान ऑटो मार्केट मजदूर शैड़ के पास बनी अंत्योदय आहार योजना के तहद कैन्टीन का भी निरीक्षण किया। उन्होंने जाना कि किस प्रकार का खाना मजदूरों को दिया जा रहा है। इस दौरान एक मजदूर वहां पर खाना खाने लग रहा था। महापौर गौतम सरदाना उनके पास बैठकर बातचीत की। मजदूर ने महापौर को बताया कि जब से यह रसोई बनी है तब से यहां पर खाना खाने रोज आ रहा हूं। कैंटीन में एक थाली की कीमत 10 रुपए है। यहां का खाना स्वादिष्ट और अच्छा मिलता है।

बालसमंद सब ब्रांच का जलस्तर बढ़ा, टूटने के खतरे से चिंतित हुए किसान

हिसार। शहर के साथ लगती बालसमंद सब-ब्रांच नहर में पानी का स्तर लगातार बढ़ता जा रहा है। मंगलवार को बढ़ते जल स्तर के चलते क्षेत्र के किसानों के सिर पर सब-ब्रांच टूटने का खतरा मंडराने लगा है। बताया जा रहा है कि नहर की सफाई न होने की वजह से यह नहर केवल 700 से 800 क्यूसेक पानी की क्षमता ही झेल सकती है। नहर में जलस्तर बढ़ने व इसके टूटने की आशंका के चलते दो गांवों की पंचायतों ने मंगलवार को सिंचाई विभाग के अधिकारियों को अवगत भी करवाया है वहीं मांग की है कि खोखा माइनर को खोल दिया जाए ताकि कुछ पानी डायवर्ट हो। यदि यह माइनर नहीं खोली गई तो यह नहर टूटकर पानी तबाही मच सकता है। ग्रामीणों के अनुसार सब ब्रांच नहर में अभी 150 क्यूसेक से ज्यादा पानी चल रहा है। बालसमंद नहर में पानी का लेवल 700 से 800 क्यूसेक रहता है। हिसार से निकलते ही सभी माइनर और ड्रेन पानी से फुल हैं लेकिन फिर भी नहर में पानी कम नहीं हो रहा है। नियाना गांव के युवा क्लब के प्रधान रविंद्र राणा ने बताया कि नहर में ज्यादा पानी चल रहा है। अगर नहर टूट गई तो बहुत ज्यादा बर्बादी होगी। एरिया में किसानों की कपास धान की फसल चौपट हो सकती है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि बालसमंद नहर में पीछे से अत्यधिक पानी छोड़ा गया हैं। इस कारण नहर में पानी की मात्रा ज्यादा बढ़ गई है। ग्रामीणों को डर सता रहा है कि अगर नहर बारे समय रहते सिंचाई विभाग के अधिकारियों ने उचित निर्णय नहीं लिया तो इसके टूटने का खतरा बढ़ जाएगा। ग्राम पंचायत नियाना और ग्राम पंचायत आलमपुर ने विभाग के अधिकारियों को दिए ज्ञापन में मांग की है कि खोखा गांव को जाने वाली माइनर को खोला जाए। बारिश के कारण बालसमंद सब नहर में पानी ज्यादा

आ रहा है। इस दौरान फसलों का नुकसान या गांववासियों को नुकसान होता है तो उसका जिम्मेदार प्रशासन होगा। सिंचाई विभाग के कनिष्ठ अभियंता प्रदीप वर्मा ने कहा कि खोखा माइनर को खुलवा दिया गया है। बालसमंद नहर में 950 क्यूसेक पानी की क्षमता हैं लेकिन नहर की रेजिंग नही हुई है, जिससे 750 से 800 क्यूसेक पानी ही ले सकते हैं। ओवरफ्लो जैसी कोई बात नहीं है। उन्होंने कहा कि विभाग स्थिति पर नजर रखे हुए है।

हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं महिलाएं : आशा फौजदार

कैथल। उजाला महिला समिति की अध्यक्षा ने कहा कि परिवार हो या व्यवसाय महिलाओं ने साबित कर दिखाया है कि वे हर वह काम करके दिखा सकती हैं, जिसमें अभी तब सिर्फ पुरुषों का ही वर्चस्व माना जाता था। शिक्षित होने के साथ ही महिलाओं की समझ में वृद्धि हुई है। अब उनमें खुद को आत्मनिर्भर बनाने की सोच पनपने लगी है। शिक्षा मिलने से महिलाओं ने अपने पर विश्वास करना सीखा है और घर के बाहर की दुनिया को जीतने का सपना सच करने की दिशा में कदम बढ़ाने लगी है। संयुक्त राष्ट्र संघ ने भी महिलाओं के अधिकार को बढ़ावा और सुरक्षा देने के लिए दुनियाभर में कुछ मापदंड निर्धारित किए हैं अधिकार दिलाने के लिए अथक प्रयास किए। वर्तमान दौर में महिलाओं ने अपनी ताकत को पहचान लिया है और काफी हद तक अपने अधिकारों के लिए लड़ना भी सीख लिया है। अब महिलाओं ने इस बात को अच्छी तरह जान लिया है कि वे एक-दूसरे की सहयोगी हैं।महिलाओं का काम अब केवल घर चलाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि वे हर क्षेत्र में अपनी उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। परिवार हो या व्यवसाय महिलाओं ने साबित कर दिखाया है कि वे हर वह काम करके दिखा सकती हैं, जिसमें अभी तब सिर्फ पुरुषों का ही वर्चस्व माना जाता था। शिक्षित होने के साथ ही महिलाओं की समझ में वृद्धि हुई है। अब उनमें खुद को आत्मनिर्भर बनाने की सोच पनपने लगी है। शिक्षा मिलने से महिलाओं ने अपने पर विश्वास करना सीखा है और घर के बाहर की दुनिया को जीतने का सपना सच करने की दिशा में कदम बढ़ाने लगी है।सरकार ने महिलाओं के लिए नियम-कायदे और कानून तो बहुत सारे बना रखें हैं, किन्तु उन पर हिंसा और अत्याचार के आंकड़ों में अभी तक कोई कमी नहीं आई है। संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में 15 से 49 वर्ष की उम्र वाली 70 फीसदी महिलाएं किसी न किसी रूप में कभी न कभी हिंसा का शिकार होती हैं। इनमें कामकाजी व घरेलू महिलाएं भी शामिल हैं। देशभर में महिलाओं पर होने वाले अत्याचार के लगभग 1.5 लाख मामले सालाना दर्ज किए जाते हैं। जबकि इसके कई गुणा अधिक मामले दबकर रह जाते हैं।देश में आज भी सबसे ज्यादा उत्पीड़न महिलाओं का ही होता है। आए दिन महिलाओं के साथ बलात्कार, हत्या, प्रताड़ना की घटनाओं से समाचार पत्रों के पन्ने भरे रहते हैं। महिलाओं के साथ आज के युग में भी दोयम दर्जे का व्यवहार किया जाता है। बाल विवाह की घटनाओं पर पूर्णतया रोक ना लग पाना एक तरह से महिलाओं का उत्पीड़न ही है। कम उम्र में शादी कर देने से और कम उम्र में मां बनने से लड़की का पूर्णरूपेण शारीरिक और मानसिक विकास नहीं हो पाता है। आज हम बेटा-बेटी एक समान% की बातें तो करते हैं, मगर बेटी होते ही उसके पिता को बेटी की शादी की चिंता सताने लग जाती है। समाज में जब तक दहेज लेने और देने की प्रवृति नहीं बदलेगी तब तक कोई भी मां-बाप बेटी पैदा होने पर सच्चे मन से खुशी नहीं मना सकेंगे।

पौधे लगाना भी योग क्रिया के सम्मान है- पूनम अरोड़ा

फरीदाबाद। सैक्टर 29 महिला योगा टीम की योग शिक्षिका पूनम अरोड़ा ने अपनी सहयोगी के साथ सैक्टर 29 शास्त्री पार्क में पौधे लगाये। उन्होंने कहा कि पौधे लगाना भी योग क्रिया का एक हिस्सा है। जैसे योग हमारे शहीर को स्वास्थ्य रखता है उसी तरह पौधों द्वारा मिलने वाली आक्सीजन हमारे शरीर को स्वास्थ्य रखती है। इसलिये जो व्यक्ति अपने स्वास्थ्य के लिये योग से प्यार करता है उस व्यक्ति को पौधे जरूर लगाने चाहियें। उन्होंने आज एक छोटी बिटिया दित्या से भी एक पौधा लगवाया और उस बिटिया की माता को बोला कि इस पौधे को इसी बच्ची से रोज पानी डलवाना है ताकि इस बिटिया को पौधों से लगाव हो जायेगा जिससे प्रेरणा लेकर यह बिटिया हमेशा पौधें लगायेगी। महिला योग की सदस्य बीना गुप्ता ने कहा कि पौधे लगाने मात्र से हमारा कर्तव्य पूरा नहीं होता। पौधों को लगाने के बाद उनकी वृक्ष बनने तक देखभाल करनी जरूरी है और जब तक हमारे द्वारा लगाया गया पौधा बड़ा नहीं हो जाता तक तक हमारा कर्तव्य खत्म नहीं होता। उन्होंने कहा कि इसलिये हमने आज इस पार्क में पौधे लगाये हैं क्योंकि हम रोज सुबह यहाँ योगा करने आते हैं और इन पौधों की रोज रखवाली करेगें।

हरियाणा में बारिश से 7 जिलों में हालात खराब, 239 गांवों में भरा पानी; करनाल में समसपुर बांध टूटा

चंडीगढ़। हरियाणा में तीन दिनों तक हुई आफत की बारिश से 7 जिलों में हालात खराब हो गए हैं। पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, करनाल, कुरुक्षेत्र, कैथल और पानीपत जिलों के 239 गांव ऐसे हैं जहां अभी भी बारिश का पानी भरा हुआ है। यहां 1857 लोग फंसे हुए हैं, हालांकि NDRF-SDRF ने मोर्चा संभाला हुआ है।

पानीपत और अंबाला में हालातों को काबू करने के लिए केंद्र सरकार की और से मदद दी जा रही है। इसके अलावा इन जिलों में पहले से NDRF के जवान राहत एवं बचाव कार्य में लगे हुए हैं।

समसपुर में देर रात टूटा बांध

करनाल के इंद्री ब्लॉक में गढ़पुर टापू का यमुना बांध अब तक ठीक नहीं हुआ था कि मंगलवार देर रात करीब 1 बजे गांव समसपुर के पास एक और बांध टूट गया। इस बांध के टूटने से कई और गांवों में पानी पहुंच गया है। यमुना में लगातार पानी छोड़े जाने से इंद्री इलाके में तबाही का मंजर बना हुआ है। यमुना से सटे करीब 36 गांव बाढ़ की चपेट में आ चुके हैं। नावों से लोगों तक राहत सामग्री भेजी जा रही है।

हरियाणा मौसम पूर्वानुमान

मानसून दक्षिण पूर्व की तरफ बने होने के कारण मानसून की सक्रियता हरियाणा में अगले तीन दिन 14 जुलाई तक कम रहने की संभावना है। राज्य के उत्तरी जिले पंचकूला, अंबाला, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, कैथल, करनाल तथा दक्षिण-दक्षिण पूर्व जिलों महेंद्रगढ़, रेवाड़ी, झज्जर, गुरुग्राम, नूंह, पलवल, फरीदाबाद, रोहतक, सोनीपत, पानीपत जिलों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश की संभावना है।

इस दौरान पश्चिमी व दक्षिण पश्चिमी हरियाणा के जिलों सिरसा, फतेहाबाद, हिसार, जींद, भिवानी, चरखी दादरी में मौसम आमतौर पर परिवर्तनशील तथा कुछ एक स्थानों पर बूंदाबांदी या हल्की बारिश होने की संभावना है। 15 जुलाई से एक बार फिर से राज्य में मानसून की सक्रियता बढ़ने की संभावना है।

अब तक 7 की मौत, 1 व्यक्ति लापता

अब तक बारिश से राज्य में 7 लोगों की मौत होने का सरकार की और से दावा किया गया है। एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना मिली है। 4 मकान क्षतिग्रस्त होने के साथ ही 5 मवेशियों की मौत होने की जानकारी मिली है। राज्य के कुछ जिलों में 24 घंटे में 306MM रिकॉर्ड बारिश हुई। वैसे इन दिनों सामान्य 6.6स्स्रूबारिश होती है, लेकिन वास्तव में 26.8स्स्रूरिकॉर्ड की गई।

अंबाला में 76 गांव का जिला मुख्यालय से संपर्क कटा

अंबाला जिले के कुछ गांव अब भी बाढ़ की चपेट में हैं। करीब 76 गांवों का संपर्क जिला मुख्यालय से कटा है। बारिश के पानी में डूबने से अंबाला में दो लोगों की मौत हो गई है। घरों में पानी भरने के बाद लोगों ने छत पर शरण ले रखी है, अब वह सुरक्षित स्थानों की और पलायन कर रहे हैं। यमुनानगर के 30 से ज्यादा गांवों में बाढ़ का पानी घुस गया है और 20 से ज्यादा गांव पर बाढ़ का खतरा बना हुआ है। प्रतापनगर और छछरौली क्षेत्र में दो जगह सड़क टूट चुकी है। इसके चलते 20 से 30 गांवों का संपर्क टूट गया है।

हिमाचल में फंसे हरियाणा के 100 लोग

जानकारी के मुताबिक हरियाणा के 100 लोग हिमाचल प्रदेश में फंसे हैं। इनमें रेवाड़ी के गांव पदैयावास और घुड़कावास के चार युवा मनाली के कसोल में घूमने गए थे। जहां वह फंसे हुए हैं।सोनीपत से हिमाचल घूमने गया स्प्रेड स्माइल फाउंडेशन के 18 सदस्यों का दल कसोला के पास बरसानी में फंस गया है। इसमें बच्चे, युवा व बुजुर्ग भी शामिल हैं। रोहतक के महर्षि दयानंद यूनिवर्सिटी के 70 स्टूडेंट्स सोलंग में फंस गए हैं।

स्टूडेंट्स का यह दल एडवेंचर कैंप के लिए गया था। भिवानी जिले के बवानीखेड़ा से विधायक बिशंबर वाल्मीकि, उनके पीएसओ, चालक व पीए के अलावा गांव बलियाली के सरपंच सचिन सरदाना का परिवार अब सुरक्षित जगह पर पहुंच गया है।

अमेरिकी जासूसी विमान के बदले उत्तरी कोरिया ने दागी बैलिस्टिक मिसाइल

सियोल । उत्तर कोरिया ने अमेरिकी जासूसी विमान के बदले में अपने पूर्वी जल क्षेत्र की ओर बुधवार को एक बैलिस्टिक मिसाइल दागी। यह जानकारी दक्षिण कोरिया और जापान के अधिकारियों ने दी। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने अपने क्षेत्र के पास अमेरिका की कथित खुफिया गतिविधियों के विरोध में दो दिन पहले ही चौंकाने वाले परिणाम भुगतने की धमकी दी थी, जिसके बाद यह प्रक्षेपण किया गया। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ ने बताया कि प्रक्षेपण बुधवार सुबह किया गया। उन्होंने इसकी कोई जानकारी नहीं दी कि मिसाइल ने कितनी दूरी तक उड़ान भरी। इस संबन्ध में जापान के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसने उत्तर कोरिया द्वारा संभावित बैलिस्टिक मिसाइल प्रक्षेपण का पता लगाया है। यह प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया है जब उत्तर कोरिया ने इस सप्ताह की शुरुआत में कई बयान जारी कर अमेरिका पर उसके देश की जासूसी करने के लिए उत्तर कोरिया के करीब एक सैन्य विमान उड़ाने का आरोप लगाया गया था। वहीं अमेरिका और दक्षिण कोरिया ने उत्तर के आरोपों को खारिज किया और उसे शत्रुता बढ़ाने वाले किसी भी कृत्य या बयानबाजी से दूर रहने को कहा। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन की बहन किम यो जोंग ने सोमवार रात एक बयान में दावा किया कि अमेरिकी जासूसी विमान ने दिन में आठ बार उत्तर कोरिया के पूर्वी विशेष आर्थिक क्षेत्र के ऊपर से उड़ान भरी। उन्होंने कहा कि उत्तर कोरिया ने अमेरिकी विमान को खदेड़ने के लिए युद्धक विमानों का इस्तेमाल किया। किम यो जोंग ने कहा कि आने वाले समय में 20-40 किलोमीटर के उस हिस्से में एक चौंकाने वाली घटना घटेगी जिसमें अमेरिकी जासूसी विमान लगातार उत्तर कोरिया के आर्थिक जल क्षेत्र के ऊपर आकाश में घुसपैठ करते हैं।

नेपाल में मारे गए मैक्सिकन नागरिकों ने किया था ताज का दीदार

काठमांडू। नेपाल में एक हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गया। दुर्घटना में इसमें सवार सभी छह यात्रियों की मौत हो गई। इन यात्रियों में पांच लोग मैक्सिको के रहने वाले थे, जो एक ही परिवार के लोग थे। हादसे में मारे गए पांचों मैक्सिकन नागरिक नेपाल जाने से पहले भारत आए थे। जानकारी के अनुसार, मैक्सिकन परिवार ने नेपाल से पहले भारत यात्रा की थी। एब्रिल सिफुएंटेस गोंजालेज ने पांच जुलाई को ताज महल के सामने क्लिक की गई अपनी एक फोटो सोशल मीडिया पर पोस्ट की थी। भारत में मैक्सिको के राजदूत फेडेरिको सालास ने कहा कि पीड़ित मूल रूप से नुएवो लियोन के परिवार के सदस्य थे। इस बीच, नेपाल के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएएएन) के सूचना अधिकारी ज्ञानेंद्र भुल ने कहा कि शवों को हवाई मार्ग से काठमांडू ले जाया गया है और पोस्टमार्टम के लिए त्रिभुवन यूनिवर्सिटी टीचिंग हॉस्पिटल में रखा गया है। नेपाल के संस्कृति, पर्यटन और नागरिक उड्डयन मंत्री सूडान किराती ने घोषणा की कि सरकार इस घटना की जांच कराएगी मनांग एयर की निदेशक मुक्ति पांडे ने कहा कि सभी मृतक यात्री एक ही मैक्सिकन परिवार से थे और कल उड़ान के साथ-साथ शेरपा संस्कृति का निरीक्षण करने के लिए खुम्बू क्षेत्र के लिए उड़ान भरी थी। जिस दौरान दुर्घटना का शिकार हो गए।

अमेरिकी परमाणु पनडुब्बी के पहुंचने पर भड़का क्यूबा

हवाना । ग्वांतानामो बे में स्थित अमेरिकी नौसेना बेस पर परमाणु पनडुब्बी के पहुंचने से क्यूबा और अमेरिका के बीच टकराव बढ़ सकता है। क्यूबा सरकार ने कहा है कि इस हरकत को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। साथ ही क्यूबा सरकार ने चेतावनी दी है कि इससे टकराव बढ़ सकता है। विदेश विभाग की ओर से जारी बयान में कहा गया है कि ग्वांतानामो बे में यह पनडुब्बी पहुंची थी और शनिवार तक वहीं पर रही। यह जानकारी उस समय में आई है, जब क्यूबा और चीनी सेनाओं के बीच सैन्य संबंधों को लेकर काफी खबरें पिछले दिनों आई थी। अमेरिकी मीडिया ने कहा, चीन, अमेरिका की जासूसी के लिए यहां पर एक अड्डा बनाना चाहता है। विदेश विभाग के मुताबिक पनडुब्बी की मौजूदगी से यह जानना जरूरी हो जाता है कि दुनिया के इस शांतिपूर्ण क्षेत्र में इस कार्रवाई के पीछे सैन्य कारण क्या हैं? इसका टारगेट क्या था और इसका रणनीतिक मकसद क्या है? मंत्रालय ने कैरेबियाई क्षेत्र में परमाणु पनडुब्बियों की मौजूदगी से पैदा हुए खतरे को लेकर चेतावनी दी है। मंत्रालय का कहना है कि क्षेत्र में अमेरिकी मिलिट्री की मौजूदगी, लैटिन अमेरिकी और कैरेबियाई लोगों की संप्रभुता और हितों के लिए खतरा है। वहीं, अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा है, हम प्रेस कॉन्फ्रेंस में अमेरिकी सैन्य संपत्तियों और गतिविधियों पर चर्चा नहीं करते हैं। क्यूबा की ओर से अमेरिकी आलोचना उस समय में की गई है जब यह देश फिर महाशक्तियों के बीच बढ़ते तनाव के केंद्र में है। पिछले दिनों एक रिपोर्ट में कहा गया था कि क्यूबा ज्वॉइन्ट मिलिट्री ट्रेनिंग को लेकर चीन के साथ बातचीत कर रहा है। अखबार की तरफ से यह बात एक चीनी जासूसी अभियान पर आई रिपोर्ट के बाद कही गई थी। शुरुआत में अस्पष्ट प्रतिक्रिया के बाद अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने कहा था कि चीन ने क्यूबा में वर्षों से खुफिया जानकारी जुटाने की सुविधाएं बनाए रखी थीं। साल 2019 में उसने इन सुविधाओं को अपग्रेड किया था। हालांकि चीन और क्यूबा दोनों ने ही इस रिपोर्ट को मानने से इनकार कर दिया था।

रूसी नौसेना के पूर्व कमांडर की हत्या, जॉगिंग के समय मारी गोली

मॉस्को । रूसी नौसेना के एक पूर्व कमांडर की दक्षिणी शहर क्रास्नोडार में जॉगिंग के दौरान गोली मारकर हत्या कर दी गई। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक 42 वर्षीय स्टैनिस्लाव रज़ित्स्की, जिन्होंने कथित तौर पर क्रास्नोडार पनडुब्बी की कमान संभाली थी, को ओलिंप स्पोर्ट्स सेंटर के पास एक पार्क में पीठ और सीने में गोली मार दी गई थी। रूसी जांचकर्ताओं ने कहा कि एक संदिग्ध की पहचान सेरही डेनिसेंको के रूप में हुई है, जो 1959 में यूक्रेनी शहर सुमी में पैदा हुआ था। उसे गिरफ्तार कर लिया गया है। कई रूसी टेलीग्राम चैनलों ने दावा किया है कि डेनिसेंको यूक्रेनी कराटे फेडरेशन का पूर्व प्रमुख था। रूस की जांच समिति ने कथित गिरफ्तारी का एक वीडियो भी जारी किया है, लेकिन इसमें शख्स का चेहरा धुंधला है। बाद में इसने कथित तौर पर रज़ित्स्की के सुबह की दौड़ के सीसीटीवी फुटेज प्रकाशित किए, जिसके पीछे एक बाइक पर सवार व्यक्ति भी था। कयास लगाए जा रहे हैं कि हत्यारे ने फिटनेस ऐप पर रज़ि्त्स्की की दौड़ को ट्रैक किया होगा क्योंकि वह दौड़ते समय नियमित रूप से उसी रास्?ते पर जाते थे। रज़ि्त्स्की की प्रोफ़ाइल के बीबीसी विश्लेषण से पता चला है कि वह अक्सर उस क्षेत्र में दौड़ा करते थे जहां उनके मारे जाने की सूचना है। दउनका पता और व्यक्तिगत विवरण यूक्रेनी वेबसाइट पर भी अपलोड किया गया था, जो यूक्रेन के दुश्मन माने जाने वाले लोगों का एक विशाल अनौपचारिक डेटाबेस है। हालांकि अब साइट पर उनकी तस्वीर पर लाल अक्षरों में लिक्विडेटेड शब्द अंकित कर दिया गया है। एक बयान में, यूक्रेन की सैन्य खुफिया एजेंसी ने कहा कि भारी बारिश के कारण पार्क सुनसान था इसलिए कोई गवाह नहीं है जो विवरण दे सके या हमलावर की पहचान कर सके। यूक्रेनी आंतरिक मंत्रालय के सलाहकार एंटोन गेराशचेंको ने ट्वीट किया कि रूसी मीडिया यूक्रेन पर संलिप्तता का आरोप लगा रहा है, लेकिन उन्होंने यह नहीं बताया कि क्या यह संदेह उचित था।

मेडागास्कर में राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 9 नवंबर और दूसरा दौर हुआ तो 20 दिसंबर को होगा

एंटानानारिवो । मेडागास्कर में राष्ट्रपति चुनाव का पहला दौर 9 नवंबर को होगा। मेडागास्कर के प्रधानमंत्री क्रिश्चियन एनत्से ने राजधानी एंटानानारिवो में एक कैबिनेट बैठक के बाद मीडिया को यह जानकारी दी। उन्होंने मंगलवार को कहा कि यदि दूसरा दौर होता है तो यह 20 दिसंबर को होगा। शांति और एकजुटता बनाए रखने के लिए मालागासी आबादी को धन्यवाद देते हुए एनत्से ने मतदाताओं से कैलेंडर द्वारा निर्धारित तारीखों पर मतदान करने का आह्वान किया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार उन्होंने सभी राजनेताओं से यह तय करने के लिए राष्ट्रीय एकजुटता के सिद्धांतों का सम्मान करने का भी आह्वान किया कि चुनाव शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हों। उन्?होंने कहा कि हमारे पास एक ऐसा राष्ट्रपति होना चाहिए जो अगले जनवरी में अपना कार्यकाल शुरू करेगा। राष्ट्रपति चुनाव की तारीखें स्वतंत्र राष्ट्रीय चुनाव आयोग द्वारा सरकार और उच्च संवैधानिक न्यायालय को 10 फरवरी को प्रस्तावित की गईं थीं। निवर्तमान राष्ट्रपति एंड्री राजोएलिना का कार्यकाल 19 जनवरी 2024 को समाप्त होने वाला है।

चीन ने जियोकान प्रांत से झूक्यू 2 करियर रॉकेट छोड़ा। इस मीथेन लिक्विड ऑक्सीजन रॉकेट को चीनी कंपनी लैंडस्पेस ने बनाया था।

नाटो की आलोचना पर चीन के बिगड़े बोल, जानबूझकर किया बदनाम

बीजिंग । बीजिंग में नाटो ने जहां चीन को गुट के हितों को लेकर दी गई प्रतिक्रिया पर निशाना बनाया है वहीं चीन ने भी गुट के हितों व सुरक्षा को लेकर चुनौती दी है। नाटो ने इस आरोप पर पलटवार किया कि चीन गुट के हितों और सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं है और उसने एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अपने पदचिह्न का विस्तार करने के लिए सैन्य गठबंधन के किसी भी प्रयास का विरोध किया। लिथुआनिया की राजधानी विनियस में दो दिवसीय शिखर सम्मेलन के बीच में कड़े शब्दों में जारी एक विज्ञप्ति में नाटो ने कहा कि पीपुल्स रिपब्लिक ऑफ चाइना (पीआरसी) ने अपनी महत्वाकांक्षाओं और जबरदस्ती नीतियों से उसके हितों, सुरक्षा और मूल्यों को चुनौती दी है। नाटो राष्ट्राध्यक्षों ने कहा कि पीआरसी अपने वैश्विक पदचिह्न और परियोजना शक्ति को बढ़ाने के लिए राजनीतिक, आर्थिक और सैन्य उपकरणों की एक विस्तृत श्रृंखला का उपयोग करती है, जबकि अपनी रणनीति, इरादों और सैन्य निर्माण के बारे में अपारदर्शी रहती है। नाटो के अनुसार पीआरसी के दुर्भावनापूर्ण हाइब्रिड और साइबर ऑपरेशन और इसकी टकरावपूर्ण बयानबाजी और दुष्प्रचार मित्र राष्ट्रों को निशाना बनाते हैं और गठबंधन की सुरक्षा को नुकसान पहुंचाते हैं। यूरोप में चीनी मिशन ने एक बयान में कहा कि चीन-संबंधी सामग्री में बुनियादी तथ्यों की अनदेखी की गई है, चीन की स्थिति और नीतियों को विकृत किया गया है और जानबूझकर चीन को बदनाम किया गया है। चीन ने कहा कि हम इसका दृढ़ता से विरोध करते हैं और इसे अस्वीकार करते हैं। नाटो महासचिव जेन्स स्टोलटेनबर्ग ने शिखर सम्मेलन में संवाददाताओं से कहा कि हालांकि चीन नाटो का प्रतिद्वंद्वी नहीं है, लेकिन वह अपने जबरदस्ती वाले व्यवहार से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है। उन्होंने कहा कि चीन तेजी से नियम-आधारित अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था को चुनौती दे रहा है।

जानलेवा बीमारी से पूरा देश परेशान, लकवा का रूप ले रही पैरों की झुनझुनी

-दक्षिणी अमेरिका के पेरू में लगानी पड़ी हेल्थ इमरजेंसी, 90 दिनों के लिए अलर्ट जारी

लीमा (एजेंसी)। दक्षिणी अमेरिकी इस समय एक खतरनाक बीमारी से परेशान है। इसके चलते यहां पर 90 दिनों की स्वाथ्य इमरजेंसी लगा दी गई है। जानकारी के अनुसार दक्षिणी अमेरिका के देश पेरू में एक खतरनाक बीमारी गुइलेन-बैरी सिंड्रोम ने दस्तक दी है। इस बीमारी से देशभर में इसके मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। जिसके बाद सोमवार को 90 दिनों की राष्ट्रीय स्वास्थ्य आपातकाल की घोषणा की गई है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, देश में 165 मामलों की असामान्य वृद्धि देखी गई है, वहीं चार लोगों की इससे मौत हो गई है। बता दें कि पेरू ने इन बढ़ते मामलों को लेकर 27 जून को ही अलर्ट जारी किया था। गुइलेन-बैरी सिंड्रोम एक न्यूरोलॉजिकल डिसऑर्डर है, जिसमें शरीर का इम्यून सिस्टम हमारी तंत्रिकाओं पर हमला करता है। यह हाथों और पैरों में झुनझुनी और कमजोरी के साथ शुरू होता है, और तेजी से फैल सकता है। यहां तक कि शरीर को लकवा मार सकता है। इस स्थिति वाले अधिकांश लोगों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती करने की आवश्यकता होती है। फिलहाल इस डिसऑर्डर का सटीक कारण अभी तक पता नहीं चला है। रिपोर्टों से पता चला है कि दो-तिहाई रोगियों में पिछले छह सप्ताह में कोविड -19 या गैस्ट्रोइंटेस्टाइनल संक्रमण या जीका वायरस के लक्षण देखे गए थे।

गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के लक्षण की बात करें तो उंगलियों, पैर की उंगलियों, कलाइयों, या कभी-कभी बांहों और चेहरे में भी झुनझुनी महसूस होती है। पैरों में कमजोरी, चलने या सीढ़ियां चढ़ने में परेशानी का सामना करना पड़ता है। चेहरे को हिलाने में कठिनाई होती है। रोगी को बोलने, चबाने या निगलने में काफी दिक्कतें होती हैं। इसमें पीड़ित को डबल दिखाई देता है। आंखों की पुतलियों को हिलाने में भी समस्याएं होती हैं। शरीर में ऐंठन जैसा महसूस हो सकता है। सांस लेने में कठिनाई और हार्ट बीट तेज होना। ये प्रमुख लक्षण बताए गए हैं। हालांकि गुइलेन-बैरी सिंड्रोम के तीन रूप हैं, एक्यूट इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी (एआईडीपी), मिलर फिशर सिंड्रोम और एक्यूट मोटर एक्सोनल न्यूरोपैथी। एक्यूट इंफ्लेमेटरी डिमाइलेटिंग पॉलीरेडिकुलोन्यूरोपैथी (एआईडीपी) उत्तरी अमेरिका और यूरोप में पाया जाने वाला सबसे आम रूप है।

उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की बैलेस्टिक मिसाइल दागी, उपजा तनाव

सोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया ने लंबी दूरी की एक बैलेस्टिक मिसाइल दागी है, जिसके कारण तनाव की स्थिति बन गई है। इसे लेकर दक्षिण कोरियाई सेना ने दावा किया है कि उत्तर कोरिया ने बुधवार को पूर्वी सागर की ओर एक संदिग्ध लंबी दूरी की बैलिस्टिक मिसाइल दागी। इस सप्ताह की शुरुआत में अमेरिकी जासूसी विमान संचालन के खिलाफ प्योंगयांग के आरोपों के बाद उत्पन्न तनाव के बीच यह दावा किया गया है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (जेसीएस) ने कहा कि उसने स्थानीय समयानुसार सुबह करीब 10 बजे प्योंगयांग या उसके आसपास के क्षेत्र से प्रक्षेपण का पता लगाया है। जेसीएस ने कहा कि अपनी निगरानी और सतर्कता को मजबूत करते हुए, हमारी सेना संयुक्त राज्य अमेरिका के साथ घनिष्ठ सहयोग में पूर्ण तत्परता बरत रही है। गौरतलब है कि उत्तर कोरिया ने इससे पहले लंबी दूरी की मिसाइल का अंतिम प्रक्षेपण 13 अप्रैल को किया था, जब उसने ह्वासोंग-18 अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल दागी थी जिसमें ठोस-ईंधन का इस्तेमाल किया जाता है। सोमवार और मंगलवार को, उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की शक्तिशाली बहन किम यो-जोंग ने तीखे बयान जारी कर दावा किया कि अमेरिकी सैन्य जासूसी विमान ने उत्तर के विशेष आर्थिक क्षेत्र (ईईजेड) में घुसपैठ की। मामले को भांपते हुए किम यो-जोंग ने चेतावनी दी कि उत्तर अपने आर्थिक जल क्षेत्र के भीतर अमेरिकी निगरानी उड़ानों के खिलाफ स्पष्ट और दृढ़ कार्रवाई करेगा जो एक चौंकाने वाली घटना हो सकती है। इधर दक्षिण कोरियाई सेना ने उनकी टिप्पणियों को खारिज कर दिया है और कहा है कि ईईजेड में नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता सुनिश्चित की गई है। उत्तर कोरिया की ओर से कथित मिसाइल लॉन्चिंग ऐसे समय में हुई है जब इस सप्ताह कई उच्च स्तरीय वैश्विक राजनयिक और सुरक्षा बैठकें हो रही हैं। इसमें लिथुआनिया में नाटो शिखर सम्मेलन और इंडोनेशिया में आसियान क्षेत्रीय मंच की बैठक शामिल हैं।

अमेरिका का दावा, भारत ही रुकवा सकता है यूक्रेन-रूस की लड़ाई

इस्लामाबाद (एजेंसी)। वाशिंगटन (ईएमएस)। अमे?रिका ने दावा ?किया है ?कि भारत मध्यस्थता करके यूक्रेन व रूस की लड़ाई को रुकवा सकता है। गौरतलब है कि रूस-यूक्रेन के बीच पिछले एक साल से जारी युद्ध थमने का नाम नहीं ले रहा है। इसके लिए भारत से मध्यस्थता को लेकर अमेरिका ने एक बार फिर बड़ा बयान दिया है। अमेरिकी के विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने एक प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि भारत सहित कोई भी देश अगर यूक्रेन में शांति बहाल करने में भूमिका निभा सकता है तो उसका अमेरिका स्वागत करता है। दरअसल, जब मिलर से सवाल किया गया कि क्या भारत या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस और यूक्रेन के बीच लंबे संघर्ष को समाप्त करने में भूमिका निभा सकते हैं तो मिलर ने कहा, 'भारत या कोई अन्य देश, जो भी यूक्रेन की अखंडता और संप्रभुता को ध्यान में रखते हुए रूस के साथ चल रहे संघर्ष को खत्म करा सकता है तो उसका हम स्वागत करते हैं। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मिलर ने दावा किया कि यूक्रेन के साथ युद्ध करना रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता रहा है। मिलर ने कहा कि युद्ध के चलते रूस को सैन्य कर्मियों और उपकरणों का नुकसान हुआ है।

उन्होंने कहा कि अमेरिका संघर्ष की शुरुआत से यूक्रेन को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन का स्वागत करता है। रूस-यूक्रेन के बीच चल रहे संघर्ष पर मिलर ने कहा कि यह युद्ध रूस के लिए एक रणनीतिक विफलता रही है, जिसमें सैन्य कर्मियों और सैन्य उपकरणों दोनों का भारी नुकसान हुआ है। मिलर ने दावा किया कि रूस ने दुनिया में अपनी स्थिति को प्रभावित होते देखा है। अमेरिका द्वारा रूस पर लगाए गए प्रतिबंधों और निर्यात नियंत्रणों के कारण रूस की अर्थव्यवस्था प्रभावित हुई है। अमेरिकी विदेश विभाग के प्रवक्ता मैथ्यू मिलर ने कहा कि संघर्ष की शुरुआत से यूक्रेन को मिले अंतरराष्ट्रीय समर्थन का हम स्वागत करते हैं। गौरतलब है कि इससे पहले, जून में, प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन ने यूक्रेन में संघर्ष पर चिंता व्यक्त की थी और इसके भयानक और दुखद मानवीय परिणामों पर शोक व्यक्त किया था।

भारत-अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों से चीन हुआ परेशान

-सरकार की तरफ से मंजूरी में देरी होने से चिप कंपनी फॉक्सकॉन पर उठाए सवाल

बीजिंग (एजेंसी)। भारत के साथ अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों के कारण चीन परेशान हो रहा है। यही वजह है कि ताइवान की चिप कंपनी को भारत सरकार द्वारा मंजूरी में देरी होने पर चीनी मीडिया ने भारत को नसीहत देनी शुरु कर दी है। बता दें कि ताइवान की कंपनी फॉक्सकॉन ने भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग से हाथ खींचने का ऐलान क्या किया, चीन को तंज कसने का एक और बहाना मिल गया। इस बात से बेफिक्र कि कंपनी एक नई तरह से भारत में चिप मैन्युफैक्चरिंग की योजना बना रही है, इस पर चीन के मीडिया ने अपनी राय दे डाली है। मीडिया में आई खबर के अनुसार हाई-एंड मैन्युफैक्चरिंग के क्षेत्र में भारत को एक बड़ा झटका लगा है। भारत में मैन्युफैक्चरिंग के लिए न केवल सरकार की महत्वाकांक्षा की जरूरत है, बल्कि औद्योगिक योजना की भी जरूरत है जो उसकी अपनी परिस्थितियों के अनुकूल हो। अगर उसके आर्टिकल में वह वजह भी सामने आ गई है जो भारत-अमेरिका के मजबूत होते रिश्तों की वजह से परेशानी से जुड़ी है।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक भारत सरकार की तरफ से मंजूरी में देरी की वजह से फॉक्सकॉन की चिंताएं बढ़ रही थीं। लेकिन इसने प्लांट से हाथ क्यों पीछे खींचे, ये वजहें स्पष्ट नहीं हैं। लेकिन फिर भी यह नया घटनाक्रम घरेलू चिप निर्माण योजनाओं को आगे बढ़ाने में भारत के सामने मौजूद कठिनाइयों को सामने लाता है। मीडिया की खबर के अनुसार कई सालों की कोशिशों के बाद भारत की सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग की प्लानिंग अभी भी सिर्फ कागज पर ही हैं। जबकि अमेरिका स्थित माइक्रोन टेक्नोलॉजी ने अभी घोषणा की है कि वह भारत में एक चिप पैकेजिंग प्लांट बनाएगी। इसके लिए 2.75 अरब डॉलर की लागत में 70 फीसदी सब्सिडी भी दी जाएगी। रिपोर्ट की मानें तो पिछली योजनाओं में लगातार असफलताओं ने देश की उच्च-स्तरीय विकास करने की क्षमता पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार भले ही भारत सरकार ने कहा हो कि साल 2020 में 15 अरब डॉलर वाला भारत का सेमीकंडक्टर बाजार साल 2026 तक 63 अरब डॉलर तक पहुंच जाएगा लेकिन उसकी यह महत्वाकांक्षा वास्तविकता से परे लगती है। रिपोर्ट ने इसके पीछे विदेशी निवेश पर निर्भरता को बड़ी वजह बताया है। क्योंकि टेक्नोलॉजी से लेकर प्रतिभा और अपस्ट्रीम और डाउनस्ट्रीम इंडस्ट्रीयल सीरीज के मामले में भारत के पास चिप निर्माण में कोई आधार नहीं है। शायद भारत सरकार का मानना है कि विदेशी निवेश अपने आप चिप मैन्युफैक्चरिंग में मदद कर सकता है। सिर्फ इतना ही नहीं चीन ने अपारदर्शी कारोबारी माहौल और व्यापक औद्योगिक विकास योजना की कमी तक को भारत के सपने टूटने की वजह बता डाला।

सोलोमन द्वीप ने किया चीन से समझौता तो, ऑस्ट्रेलिया की बढ़ी चिंताएं

-ताइवान को दगा देने के बाद चीन से पुलिस समझौते पर किए हस्ताक्षर

बीजिंग (एजेंसी)। प्रशांत महासागर के एक छोटे से देश सोलोमन द्वीप ने चीन से पुलिस समझौते पर करार किया है। हालांकि इसके पहले उसने सुरक्षा समझौते पर भी हस्ताक्षर किए थे। इससे आस्ट्रेलिया समेत प्रशांत महासागर के अनेक देशों की चिंताएं गढ़ गई हैं। इसकी सबसे बड़ी बात यह है कि सोलोमन द्वीप समूह के चार साल पहले तक चीन नहीं बल्कि उसके सबसे बड़े दुश्मन ताइवान के साथ राजनयिक संबंध थे। तब सोलोमन द्वीप समूह ताइवान को एक स्वतंत्र देश के तौर पर मान्यता देता था। लेकिन, पिछले चार साल में चीन और सोलोमन द्वीप समूह के संबंधों ने एक नया इतिहास लिखा है। चीन और सोलोमन द्वीप समूह ने अपने संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तौर पर विकसित करने के लिए पुलिस सहयोग समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता उन नौ समझौतों में से एक था, जिस पर सोलोमन द्वीप के प्रधानमंत्री मनश्शे सोगावरे ने बीजिंग में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग से मुलाकात के दौरान साइन किया। इन समझौतों को सोलोमन की स्वतंत्र विदेश नीति के अंतिम फैसले के तौर पर देखा जा रहा है। बता दें कि रविवार को ही सोगावरे ने चीन और सोलोमन द्वीप समूह के बीच 2022 में सुरक्षा समझौता किया था। इस समझौते ने अमेरिका और ऑस्ट्रेलिय समेत प्रशांत महासागर के कई देशों की चिंताओं को बढ़ा दिया था। इस संबन्ध में चीनी प्रधानमंत्री ली कियांग ने बताया कि केवल चार वर्षों में चीन और सोलोमन द्वीप के बीच संबंध तेजी से विकसित हुए हैं, और अब हम कह सकते हैं कि यह बहुत उपयोगी है। बदले में, सोगावारे ने वैश्विक चुनौतियों से निपटने में चीन की भूमिका के लिए उसे धन्यवाद दिया और कहा कि उनके देश को चीन के अनुभव से बहुत कुछ सीखना है। गौरतलब है कि सोगावारे 2019 में सोलोमन द्वीप समूह में सत्ता में आए थे। इसके बाद से ही उन्होंने राजनयिक संबंधों को ताइवान के बदले चीन से बदल दिया था। ऐसा दावा किया जाता है कि सोगावारे की जीत में चीन का हाथ था। इस बीच अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने कहा कि वाशिंगटन अपने लोगों के सर्वोत्तम हित में संप्रभु निर्णय लेने के लिए राष्ट्रों की क्षमता का सम्मान करता है। जानकारी के अनुसार पिछले महीने सोगावारे ने ऑस्ट्रेलिया के साथ 2017 की सुरक्षा संधि की समीक्षा का आह्वान किया था, जिसने ऐतिहासिक रूप से सोलोमन द्वीप को पुलिस सहायता प्रदान की है। 2021 में जब सोलोमन द्वीप समूह में भीषण दंगे हुए थे, तब ऑस्ट्रेलिया ने कानून-व्यवस्था बनाए रखने में सहायता के लिए अपने देश की पुलिस को तैनात किया था। हालांकि, अब सोलोमन द्वीप की पुलिस चीन से ज्यादा ट्रेनिंग ले रही है। मीडिया में आई खबरों के अनुसार चीन अपनी कानून प्रवर्तन क्षमता बढ़ाने के लिए सोलोमन द्वीप को सहायता प्रदान करना जारी रखेगा। इस संबन्ध में सोगावारे ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग से भी मुलाकात की और दोनों एक व्यापक रणनीतिक साझेदारी स्थापित करने पर सहमत हुए। शी ने सोगावारे को बताया कि चीन सोलोमन द्वीप में निवेश करने वाली अपनी अधिक कंपनियों का समर्थन करता है और बिना किसी राजनीतिक बंधन के आर्थिक और तकनीकी सहायता प्रदान करना जारी रखेगा।

देश को कुछ अनपढ़ राजनेता चला रहे हैं: काजोल

-बयान पर ट्रोलिंग के बाद बचाव में आई एक्टेस

बालीवुड एक्ट्रेस काजोल ने कहा कि इस देश का दुर्भाग्य है कि इसे कुछ अनपढ़ राजनेता चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें ये बताते हुए कोई गुरेज नहीं है कि इस देश को चलाने वाले नेताओं के अंदर कोई विजन नहीं है। इस बयान के बाद काजोल सोशल मीडिया पर ट्रोल होने लगीं। ट्रोलिंग बढ़ने पर एक्ट्रेस ने सफाई पेश की। काजोल ने कहा कि उनका इरादा किसी नेता को नीचा दिखाने का नहीं था। काजोल ने कहा कि कुछ नेता ऐसे भी हैं जो देश को आगे बढ़ाने के लिए रात-दिन लगे हुए हैं। काजोल इन दिनों अपनी वेब सीरीज द ट्रायल के प्रमोशन में बिजी हैं। इसी दौरान उन्होंने महिला सशक्तिकरण पर बात की। काजोल ने कहा- हमारे देश में बदलाव की रफ्तार काफी धीमी है। हम आज भी अपने ट्रेडिशन में खोकर रह गए हैं। मुझे ये कहते हुए खेद है लेकिन ये सच्चाई है कि हमारे ऊपर शासन करने वाले राजनेता अनपढ़ हैं। उनके पास कोई व्यू पॉइंट ही नहीं है। पढ़े-लिखे लोगों का नजरिया थोड़ा अलग होता है। वे लोगों से अलग सोच सकते हैं। जब इंसान पढ़ा-लिखा नहीं होगा तो उसकी सोच सीमित ही रह जाएगी। काजोल का ये स्टेटमेंट कुछ लोगों को रास नहीं आया। सोशल मीडिया पर कुछ ट्रोलर्स ने लिखा जो एक्ट्रेस खुद कॉलेज ड्रॉपआउट है, वो एजुकेशन की बात कर रही है। ट्रोलर्स ने कहा कि जिनका पति इतना बड़ा सेलिब्रिटी होने के बावजूद पान मसाला का एड कर रहा है, उनके मुख से ऐसी बातें शोभा नहीं देती। काजोल को लेकर सैकड़ों ट्वीट सोशल मीडिया पर देखने को मिले। एक सोशल मीडिया यूजर ने लिखा कि तंबाकू और पान मसाला खाने से हर साल 10 लाख लोगों की मौत हो जाती है, जबकि आपके पति इसका ऐड करते हैं। ट्रोलिंग इतनी ज्यादा बढ़ गई कि काजोल को सफाई में एक ट्वीट करनी पड़ी। काजोल ने ट्वीट में लिखा- मैं सिर्फ शिक्षा और उसके महत्व के बारे में बात कर रही थी। मेरा इरादा किसी को नीचा दिखाने का नहीं था। इस देश में कई महान नेता है, जो रात दिन हमारी बेहतरी के लिए काम कर रहे हैं। काजोल इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज द ट्रायल- प्यार, कानून, धोखा के साथ सुर्खियों में हैं। वे इसी सीरीज में लीडिंग एक्ट्रेस के तौर पर दिखाई देंगी। ये एक कोर्ट रूम ड्रामा सीरीज है।

बडजात्या के साथ प्रेम की शादी बनाएंगे सलमान

बालीवुड एक्टर सलमान खान की अगली फिल्म राजश्री प्रोडक्शन के सूरज बड़जात्या के साथ बनने जा रही है, जिसका नाम प्रेम की शादी है। इसकी शूटिंग अगस्त माह से शुरू हो जाएगी। अब खबर आ रही है कि सलमान खान ने एक बार फिर सूरज बड़जात्या के साथ हाथ मिलाया है। फिल्म से जुड़े सूत्रों का कहना है कि सलमान अब फिल्म प्रेम की शादी के लिए सूरज के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। खबर है कि सलमान को जब साल 2020 में इस फिल्म की स्क्रिप्ट सुनाई गई थी, तब उनको यह बहुत पसन्द आई थी। वह लॉकडाउन के दौरान इसे लिख रहे थे, वहीं पिछले कुछ महीने में उन्होंने इसकी प्रक्रिया को तेज कर दिया था। कहा जा रहा है कि सलमान खान ऐसी कहानियाँ पसन्द हैं, यही वजह है कि उन्होंने प्रेम की शादी के लिए तुरन्त हामी भर दी है। सूरज बड़जात्या और सलमान खान ने इंडस्ट्री में एक साथ कदम रखा था। बतौर लीड हीरो सलमान की पहली फिल्म मैंने प्यार किया, 1989 में रिलीज हुई थी। इस फिल?म से ही सूरज बड़जात्या ने बतौर डायरेक्टर डेब्यू किया था। फिल्म ब्लॉकबस्टर रही।

फिल्म बवाल का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज

-प्राइम वीडियो ने ट्विटर पर शेयर किया ट्रेलर

फिल्म के ओटीटी रिलीज से पहले, बवाल का ट्रेलर यूट्यूब पर रिलीज हो गया। प्राइम वीडियो ने ट्विटर पर फिल्म का ट्रेलर शेयर किया है। ट्वीट में लिखा था, प्यार से बवाल तक का एक सफर! साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित और नितेश तिवारी द्वारा निर्देशित बवाल, 21 जुलाई को प्रदर्शित होगी, ट्रेलर अभी रिलीज। बवाल का निर्देशन नितेश तिवारी ने किया है और काफी चिंतन के बाद, यह फिल्म अब 21 जुलाई से ओटीटी प्लेटफॉर्म, प्राइम वीडियो पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। बवाल का प्रीमियर पेरिस के प्रतिष्ठित सैले गुस्ताव-एफिल थिएटर में होगा। इसके साथ ही यह आयोजन स्थल पर प्रदर्शित होने वाली पहली भारतीय फिल्म बन जाएगी।

फिल्म में वरुण धवन एक इतिहास शिक्षक की भूमिका निभाते हैं जो छात्रों को गलत इतिहास पढ़ाता है, जो बाद में बवाल का कारण बनता है। जान्हवी कपूर और वरुण पहली बार प्रोजेक्ट पर काम करने के लिए एक साथ आए। इस फिल्म के ट्रेलर में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के बीच दिखाई गई लव स्टोरी को वर्ल्ड वॉर 2 से कनेक्ट किया गया है। जो अपने आप में काफी दिलचस्प है। दिखाए गए ट्रेलर में वरुण धवन और जाह्नवी कपूर के बीच रोमांटिक स्टोरी आगे जाकर एक बवाल का रूप लेती है। यही इस फिल्म की कहानी है। फिल्म का कॉन्सेप्ट काफी दिलचस्प और अलग है। जो दर्शकों को उत्साहित करने के लिए काफी है।

गौरतलब है कि फिल्म बवाल के निर्देशक नीतेश तिवारी हैं। जो इससे पहले आमिर खान के साथ दंगल और सुशांत सिंह राजपूत स्टारर छिछोरे जैसी नेशनल अवॉर्ड विनिंग फिल्म दे चुके हैं। अब उनकी ये फिल्म भी काफी दिलचस्प और अलग सी कहानी लेकर आ रही है। जिसे देखने के लिए फैंस भी एक्साइटेड हैं। साथ ही फिल्म में पहली बार वरुण धवन और जाह्नवी कपूर की जोड़ी बन रही है। ऐसे में दर्शकों के लिए ये एकदम फ्रेश जोड़ी होने वाली है। यह फिल्म 21 जुलाई के दिन ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजॉन प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होगी।

राजकुमार हिरानी की डंकी बिकी 155 करोड़ में, अबतक की ऐतिहासिक डील

राजकुमार हिरानी की अगली फिल्म डंकी ने कमाई के मामले में अब तक के सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं। हालांकि अभी फिल्म रिलीज तो नहीं हुई लेकिन जियो सिनेमा ने 155 करोड़ में ओटीटी अधिकार खरीदे हैं। बता दें कि निस्संदेह राजकुमार हिरानी भारतीय सिनेमा के सबसे बड़े निर्देशक हैं, जिन्होंने सामाजिक कॉमेडी क्षेत्र में क्लासिक्स के साथ दर्शकों का बार-बार दिल जीता है। उनकी अगली फिल्म डंकी है जिसमें शाहरुख खान मुख्य भूमिका में हैं और यह 2023 की सबसे बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। यह फिल्म 22 दिसंबर, 2023 को रिलीज होने के लिए तैयार है। जानकारी के अनुसार राजकुमार हिरानी और शाहरुख खान ने जियो सिनेमा के साथ सबसे बड़ी पोस्ट-थिएट्रिकल डिजिटल डील की है। एक सूत्र के मुताबिक, डंकी के डिजिटल अधिकार जियो सिनेमा को 155 करोड़ रुपये में बेचे गए हैं। यह भारतीय सिनेमा के इतिहास में किसी एक भाषा में रिलीज हुई फिल्म के लिए सबसे बड़ी डील है। इसमें राजकुमार हिरानी के ब्रांड और शाहरुख खान के ब्रांड के एक साथ आने से काफी कुछ जुड़ा है। जानकारों का मानना है कि भारत के दो सबसे बड़े वैश्विक आइकन एक ऐसी फिल्म बनाने के लिए एक साथ आ रहे हैं जिससे वैश्विक प्रभाव पैदा करने की उम्मीद है, जिसके परिणामस्वरूप अब तक की सबसे बड़ी पोस्ट-थियेट्रिकल डील हुई है।

हालांकि डंकी के साथ जियो सिनेमा प्लेटफॉर्म को वैश्विक स्तर पर ले जाने का विचार है और टीम नेटफ्लिक्स के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए ऐप को दुनिया भर में उपलब्ध कराने के लिए एक इंटरफेस पर भी काम कर रही है। 155 करोड़ रुपये डंकी को मिली रकम जवान को नेटफ्लिक्स के हिंदी वर्जन के लिए मिली रकम से भी ज्यादा है। डंकी राजकुमार हिरानी फिल्म्स के साथ रेड चिलीज एंटरटेनमेंट का सहनिर्माण है। फिल्म में तापसी पन्नू और विक्की कौशल भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

नई फिल्म एसके 21 की शूटिंग कर रही साई पल्लवी

बालीवुड एक्ट्रेस साई पल्लवी अपनी नई फिल्म एसके 21 की शूटिंग कर रही हैं। एक्ट्रेस इसी बीच समय निकालकर कश्मीर की वादियों में इंजॉय करती दिखीं। एक्ट्रेस ने कुछ प्यारी तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। इन तस्वीरों में साई पल्ल्वी कश्मीर में फूलों के बीच तो कभी नदी किनारे बैठी सुकून के पल इंजॉय करती नजर आ रही हैं। साई पल्लवी की इन तस्वीरों पर फैन्स के भी खूब कमेंट आ रहे हैं। एक फैन ने लिखा, वाह, इन्होंने ये तस्वीरें मेरे बर्थडे पर शेयर की हैं। एक अन्य फैन का कमेंट था, आपको ऐसी खूबसूरत जगहें कैसे मिल जाती हैं। जहां जाता हूं घोड़े नहीं सिर्फ गायें दिखती हैं। मालूम हो कि साई पल्लवी की तस्वीरों में बैकग्राउड में कुछ घोड़े भी नजर आ रहे हैं। मालूम हो कि एसके 21 को कमल हासन प्रोड्यूस कर रहे हैं। इस फिल्म में साई पल्लवी के ऑपोजिट शिव कार्तिकेयन हैं, जोकि आर्मी अफसर बने हैं। बताया जा रहा है कि फिल्म की शूटिंग इस साल खत्म हो जाएगी, और यह 2024 में रिलीज होगी। फिलहाल फिल्म का नाम तय नहीं किया गया है। वहीं शिव कार्तिकेयन अभी अपनी फिल्म मॉवेरन की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं, जोकि 14 जुलाई को थिएटर्स में दस्तक देगी।

इंटरनेट पर खूब वायरल काइली की लेटेस्ट फोटो

हाल ही में हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर ने अपने लेटेस्ट लुक की तस्वीरें शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल मचा रही हैं। लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में काइली जेनर येलो क्रॉप टॉप में बेहद स्टनिंग लग रही हैं। कैजुअल मेकअप, न्यूड लिपस्टिक और खुले बालों में एक्ट्रेस का लुक देखने ही बन रहा है। अपने होठों पर हाथ रख काइली कैमरे के सामने कातिलाना पोज दे रही हैं। फैंस उनकी इन तस्वीरों को खूब पसंद कर रहे हैं। बता दें काइली सोशल मीडिया की दुनिया में काफी एक्टिव रहती है। एक्ट्रेस के इंस्टाग्राम पर 397 मिलियन फॉलोवर्स हैं। हॉलीवुड एक्ट्रेस काइली जेनर अपने लुक्स को लेकर अक्सर चर्चा में रहती है। वह सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड तस्वीरें और वीडियोज शेयर कर तहलका मचाती रहती हैं।

पुराना वीडियो देख प्रियंका को कर रहे ट्रोल

इंटरनेशनल एक्ट्रेस एक्ट्रेस प्रियंका का एक पुराना वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है, जिसे देखने के बाद यूजर्स उन्हें सोशल मीडिया पर खूब ट्रोल कर रहे हैं। दरअसल, प्रियंका चोपड़ा का यह वीडियो साल 2016 के एमी अवॉर्ड्स का है, जिसमें एक एंकर एक्ट्रेस से इंडियन सिनेमा के बारे में कुछ सवाल करती हैं और इंडियन फिल्मों के कुछ डांस मूव्स दिखाने के लिए कहती हैं। इस पर प्रियंका कहती हैं- इंडियन फिल्मों में हिप्स और बूब्स पर फोकस होता है। इसके बाद एक्ट्रेस डांस मूव्स करके दिखाती हैं। ये वीडियो देखने के बाद यूजर्स प्रियंका को जमकर ट्रोल कर रहे हैं। एक ने लिखा, हां वही सिनेमा, जहां तुम भी यही सब करती थीं और लोगों के आगे पीछे घूमती थीं।

दूसरे ने लिखा, 2-4 हॉलीवुड फिल्में क्या कर लीं, भूल ही गई कि कौन हैं, कहां से आई हैं। अन्य एक ने कहा, इंडियन सिनेमा को इसे बैन कर देना चाहिए, फिर समझ आएगा। तो किसी ने लिखा, अच्छा है चल गई। प्रियंका चोपड़ा को हाल ही में अमेजन प्राइम की वेब सीरीज सिटाडेल में देखा गया था। अब वह जल्द ही बॉलीवुड फिल्म जी ले जरा में नजर आएंगी।बता दें कि बॉलीवुड से लेकर हॉलीवुड तक धाक जमाने वाली एक्ट्रेस प्रियंका अक्सर अपने बेबाक बयानों को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। कई दफा वह खुलकर अपनी बयानबाजी को लेकर सुर्खियों में आ चुकी हैं।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक राजकुमार शर्मा ने वैकुंठ मीडिया प्राइवेट लिमिटेड सी -285, सेक्टर-11, विजय नगर, गाजियाबाद से छपवाकर कार्यालय 178 राहुल विहार विजय नगर,गाजियाबाद से प्रकाशित किया है। किसी खबर या लेख से संपादक का सहमत होना आवश्यक नहीं है।
सभी विवादों का निस्तारण जिला न्यायालय गाजियाबाद में होगा। प्रबंध संपादक-महेश कुमार - 9911733939, कानूनी सलाह- नरेंद्र सिंह रणोत एडवोकेट, सलाहकार कुशल सिंह, RNI No-UPHIN/2013/50466, Editor R.K. Sharma : 09456278011